6 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-1 अगस्त-2023 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

वैवाहिक

Garima Kumawat

PERSONAL DETAILS

Date of Birth	:	22-08-1996
Time of Birth	:	7:30 PM
Place of Birth	:	Sawai Madhopur
Height	:	5'3"

EDUCATIONAL DETAILS

(1) Ph.D	:	International Affairs & Security Studies (submitted thesis) Sardar Patel Police University Jodhpur, Rajasthan
(2) N.E.T.	:	Qualified in 3 subjects a. Defence & Stretegic Studies b. Political Science""c. Public Administration
(3) U.G.	:	Social Science (Merit Holder)
(4) P.G.	:	Rajasthan University
(5)	:	Research Fellow at Indian Council of Social Science, New Delhi
(6)	:	Former Research Intern at ORF (Observer Research Foundation Delhi)

JOB

Teaching cum Research officer at Rashtriya Raksha University (Ministry of Home Affairs at Lavad, Gandhi Nagar, Gujarat)

GOTRA

Self : Khowal, **Mother :** Kharolia,
Dadi : Bhodiwal, **Nani :** Ranolia

FAMILY

Father	:	Mr. S.N. Verma
Occupation	:	Educationist & Businessman
Mother	:	Mrs. Kusum Verma (M.A., B.Ed) (Educationist)
Elder Brother	:	Mr. Arpit Kumawat (Married) (M.A., B.Ed., NET)
Bhabhi	:	Mrs. Seema Kumawat (M.Sc., M.Ed.)
Elder Sister	:	Mahima Kumawat (M.Sc. (Physics) B.Ed.) Married to Mohitji Verma, Jaipur)

Address : Defence Sr. Sec. School, Meena Colony, Bajaria, Sawai Madhopur, Rajasthan
Contact No. : 9413380816, Native Place : Jaipur & Sikar
Preference : Equally Qualified Govt. Job Match

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
		सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
		मोहन लाल कुमावत	**मो. 9887557425**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397** **दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580** **सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444** **वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299** **मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188** **जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301** **कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402** **सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657** **उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687** **ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493** **बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957** **सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812** **इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता व 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

मनुष्य को परमात्मा ने बुद्धि नामक एक अतुल्य शक्ति प्रदान की है। इसी के आधार पर मनुष्य सृष्टि की अप्रतिम कृति है। इतना ही नहीं मनुष्य ने बुद्धि- बल पर संसार को सुंदर-से-सुंदर बनाया है। मनुष्य ने अपने अपने परिवारों को व्यवस्थित बनाकर एक सुंदर समाज की रचना की है। उसने सुख-सुविधाओं का समावेश ही नहीं किया, बल्कि उसने उसे आत्मा-परमात्मा, पुरुष और प्रकृति के रहस्यों तक भी पहुंचा दिया है। परंतु आज की परिस्थितियाँ देखते हुए ऐसा नहीं लग रहा है कि मानवीय बुद्धि कि यह शक्ति संसार को स्वर्ग के रूप में परिणित करेगी बल्कि इसके पतन की संभावना दृष्टिगोचर होने लगी है। चारों ओर दु:ख-पीड़ा, शोक-संताप, आवश्यकता एवं अभाव का ही तांडव दृष्टिगोचर हो रहा है। प्रश्न यह है कि आज बुद्धि विकास के युग में इन विकृतियों का क्या कारण है ? हमने आज बुद्धि को तो बढ़ा लिया है, किंतु उस पर नियंत्रण कर पाये हैं। अन्याय, अत्याचार, उत्पीड़न, शोषण, छल-कपट और अभिमान व्याप्त है। अनियंत्रित बुद्धि के कारण हमारी सोच विचारों और व्यवहार में परिवर्तन हो रहे हैं। पहले बुजुर्गों ने जो तय कर लिया व कह दिया, वही सर्वमान्य था क्योंकि वे अपने अनुभव, कायदे-कानून और संस्कृति के अनुसार निर्णय लेते थे। उस निर्णय को परिवार के शेष सदस्य मान लेते थे, क्योंकि उन्हें स्वयं पर नियंत्रण करना आता था। आज के परिवेश में अधिकतर परिवारों में किसी समस्या पर बुजुर्गों के निर्णय पर परिवारजनों द्वारा कई सवाल/ आपत्तियां उठाई जाती है। परिवारों में चारों ओर वाद-विवाद की रणनीति बनने के कारण, कोई ठोस निर्णय नहीं हो पाता है व समस्याएं जस की तस रह जाती है। बुद्धि-बल को ध्वंस की ओर जाने से रोक कर सृजन के मार्ग पर अग्रसर किया जा सकता है। हमें अपने-अपने परिवारों में आपसी स्नेह, सौजन्य, सहयोग, सहानुभूति, मातृत्व भाव जैसी कोमलताएं रखनी होगी। श्रद्धा ऐसा प्रकाश है जिससे मनुष्य सेवा-सहयोग, क्षमा-दया, परोपकार तथा परमार्थ में विश्वास करता है। न्याय और नियमन उसकी विशेषता है। यह परिवार और समाज की बुराइयों को खत्म करने की रामबाण दवा है।

मुझे लिखते हुए हर्ष हो रहा है कि **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका ने 6 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। गत वर्ष 5 वर्ष पूर्ण होने पर हमने आपकी सेवा में जुलाई-अगस्त अंक को विशेषांक 2022 के रूप में प्रकाशित किया था। जिसमें 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में गत पांच वर्षों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया था। समाज के पद्मश्री से अलंकृत कुमावत विभूतियां, राष्ट्रपति पदक विजेता, स्वतंत्रता सेनानी, भारतीय सेवा में कुमावत, प्रतिष्ठित शिक्षक, राजनीतिज्ञ, समाज के उस्ताकार, ठेकेदार, हस्तशिल्पकार, आर्टिस्ट, खिलाड़ी, चार्टड अकाउंटेंट, कवि व साहित्यकार, अधिकारी, वास्तु एवं ज्योतिषाचार्य, डॉक्टर आदि प्रतिष्ठित समाज बंधुओं के साथ साथ पत्रिका के विशिष्ट संरक्षक सदस्यों, संरक्षक सदस्यों आदि कि मय फोटो के साथ विशेष विवरण प्रकाशित किए थे। इस अंक में कुमावत स्थापत्य का इतिहास **'कुमावत गाथा'** का प्रकाशन किया जा रहा है। राजस्थान सरकार ने स्थापत्य कला बोर्ड के गठन की घोषणा की है इसका समाज को अवश्य लाभ मिलेगा।

पत्रिका आगे भी समाज की इसी तरह सेवा करती रहेगी। सभी पाठकों को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार की ओर से बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार।

जय हिंद।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
स्थापत्य का इतिहास : कुमावत गाथा	5-9
श्रीमती फणीन्द्र कुमावत कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त	10
आर्टिस्ट विजय वर्मा नेपाल में सम्मानित	10
गुढा बैरसल में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल प्रतिभाओं का सम्मान	10
उदयपुर की दीपिका नाहर, राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रदेश सचिव नियुक्त	10
बालजी घोड़ेला की पुण्यतिथि मनाई गई	11
मृतक मुकेश कुमावत के परिवार को 7 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग	11
वन्दे भारत एक्सप्रेस उदयपुर से अजमेर के प्रथम चालक बने भागचंद कुमावत	11
6 साल बेमिसाल : सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल की कलम से.....	12
दांतारामगढ व पलसाना की प्रतिभाओं का प्रतिभा सम्मान समारोह	12
परमानन्द कुमावत बगरू बृजवासी गौ रक्षक सेना के उपाध्यक्ष नियुक्त	12
वाट्सएप ग्रुप से महिलाओं व बेटियों को शिक्षा से जोड़ा	13
स्थापत्य कला बोर्ड का गठन	13
सामूहिक गोठ एवं राजनैतिक चिंतन सम्मेलन	13
मनोज कारगवाल सम्मानित	13
कुमावत बेलदार वेब पोर्टल का लोकार्पण	14
राजस्थान में ओबीसी आरक्षण 21% से 27% प्रतिशत करने की घोषणा	14
राष्ट्रीय स्तरीय स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग व इन्कलाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता	14
स्वतंत्रता दिवस पर विद्युत निगमों में सम्मानित ''कुमावत बंधु''	15
ओमकार ध्वनि में छिपा स्वास्थ्य	15
जन्माष्टमी पर्व	16
श्री हनुमान चालीसा की सारगर्भित जानकारी	16
तद् विस्मरणे परमव्याकुलतेति	17
श्री सोमनाथ (गुजरात) यात्रा वृतांत	17
सेवा भावी बच्चे	18
पति, पत्नी और 'वो' बना मोबाइल, आधुनिक तकनीक कर रही सात वचनों को कमजोर	19
देश का अग्रणी समाज बनने का स्वप्न!!: कुमावत विज़न:2030	20
वर्तमान परिदृश्य में 'राखी'	21
जादूगर आंचल जेल में !	21
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	22
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	23
आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क सूत्र	24
सम्मानित समाजबन्धुओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई	25
15 अगस्त पर झण्डा रोहण	26
श्रद्धांजलि विज्ञापन एवं आभार	26
बधाई विज्ञापन	27-30

संरक्षक

श्री भजनलाल कुमावत

निवासी बालोदिया की ढाणी, ग्राम खेड़ीराम वाया फुलेरा, जिला जयपुर-303338 मो. 9829010474, 9829350165

आपका जन्म 31 मार्च, 1967 को श्री बिंजाराम बालोदिया के कृषक परिवार में ग्राम खेड़ी राम में हुआ था। आप प्रारम्भ से ही बहुप्रतिभा के धनी रहे हैं। ग्राम पंचायत आकोदा के पूर्व सरपंच, वर्ष 1990 से राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के कार्यकर्ता रहे हैं तथा वर्ष 2008 से 14 तक कांग्रेस ओबीसी जिला अध्यक्ष जयपुर देहात के पद पर रहे हैं। वर्तमान में आप कांग्रेस जिला परिषद जयपुर के सदस्य, कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष, वित्त आयोग जिला परिषद सदस्य तथा कुमावत सामूहिक विवाह समिति बंदे बालाजी के संयोजन समिति में हैं। आपकी फर्म माइल्स स्टोन कंस्ट्रक्शन एण्ड डवलपर्स, मारूति बिल्डर्स एण्ड डवलपर्स, मारूति होम डेकोर इलेक्ट्रीकल्स स्वीचेज, द एम मार्ट ग्रोसरी स्टोर तथा बालोदिया खाद बीज भण्डार आकोदा हैं।

आप सौम्य व्यवहार के धनी हैं तथा एक अच्छे व्यवसायी के रूप में विख्यात हैं। 'कुमावत इंडिया' परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

On the Occasion of Completion of 6 years of Publication of 'Kumawat India' Magazine
Hearty Congratulations to the Patrika Family

DREAM HOUSE MAKERS

Er. Nikhil Bhadania — Ar. Akhil Bhadania

• Planning • Designing • Elevation • Interior • Estimation
• Supervision • Construction • Renovation • Consultancy

DREAMHOUSEMAKERS2821

Ar. Raj Singh
9414238799, 9782996440
9782649995, 9529438799
dreamhousemakers2021
dreamhousemakers22@gmail.com
454, Mishra Raja Ji Ka Rasta
Indira Bazar, Jaipur (Raj.) 302001

विज्ञापन

कुमावत गाथा

कुमावत समाज के स्थापत्य का इतिहास पुरानी पाण्डुलिपियों, अभिलेखों तथा स्तम्भ लेखों में दबा पड़ा है। वरिष्ठ पत्रकार एवं इतिहासकार श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत ने इन साक्ष्यों का गहन अध्ययन कर इसे 'कुमावत गाथा' के रूप में लिखने का महत्वपूर्ण कार्य कर इसे प्रमाणित भी किया है। श्री मुकेश वर्मा (कुमावत), सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के विशेष प्रयासों से ही यह सम्भव हो पाया है। अब हमारी नई पीढ़ी हमारी सृजनकला एवं स्थापत्य के इतिहास के बारे में जानकर गर्व कर सकेगी। श्री मुकेश वर्मा का यह प्रयास अत्यन्त प्रशंसनीय है। इसके लिए उन्हें 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हृदय से धन्यवाद। समाज की जानकारी के लिए 'कुमावत गाथा', यहां प्रकाशित कर प्रस्तुत है-

भारत की संस्कृति और वास्तुशिल्प, सदियों से दुनिया को लुभाता रहा है। सृजनशीलता से भरे भारत में लंबे इतिहास में, अलग-अलग जातियों का कौशल उनकी विशिष्ट पहचान रहा है। आज हम, बात करेंगे ऐसी ही स्वाभिमानी और सृजनशील कौम की, जिनका हुनर नींव की ईंट से लेकर शिखर तक में समाया है। वो खुद अपने बारे में कम बोलते हैं क्योंकि सदियों से उनका हुनर खुद बोलता है। ये अनूठा समाज है **कुमावत समाज**।

कुमावत शिल्पियों को, शिल्पकला, ईश्वर प्रदत्त अनूठा वरदान है। पीढियों से , हर काम को विशेषज्ञता और गहनता से करने के आदि रहे। **कुमावत समाज के शिल्पकारों का ये करिश्मा ही है कि सदियों पहले बनाए गए गढ़, किले, मंदिर और महलों में, इन्होनें बाल जितना भी दोष नहीं छोड़ा।** खून-पसीना सींच, मेहनत और ईमानदारी से काम करने में माहिर कुमावतों का कला और शिल्प आज भी सब की जुबां पर है। **जयपुर, आगरा, ग्वालियर, पुणे और देश में बनी इमारतों में कुमावत शिल्पियों की आत्मा बसती है। यही कारण है कि इनकी बनाई कृतियों को निहारने के लिए, आज संपूर्ण संसार का पर्यटक भारत आता है।**

इनकी उत्कृष्ट कलाकृतियों को देख लोग, दांतों तले अंगुली दबाते हैं और मंत्रमुग्ध हो कर रचनाकारों के लिए कह उठते है, वाह, वाकई अद्भुत!

ताजमहल, संसद भवन, राष्ट्रपति भवन के अलावा मारवाड़, ढूंढ़ाड़, मेवाड़, वागड़ और शेखावाटी ही नहीं...पूरे देश में, कुमावत समाज के शिल्पकारों की कारीगरी का डंका बजता है। **मेवाड़** में मंडन, नामा, पूंजा की देख-रेख में बने अद्वितीय किलों और मंदिरों की कलाकृतियों में, कुमावत समाज के शिल्पियों के हथौड़े, करणी, छैनी और उनकी मेहनत में स्वर लहरियां आज भी धमकती है। **शेखावटी की हवेलियां** और महलों के चित्रांकन में कुमावतों की कलम का दिग्दर्शन होता है। जिसे दुनिया नायाब कारीगरी का उदाहरण मानकर देखने चली आती है।

चित्तौड़ का विजय स्तम्भ, **जयपुर** का हवामहल, सिटी पैलेस, आमेर का विश्व प्रसिद्ध किला आदि अनगिनत इमारतों को तराशने वाले कुमावत समाज पर पूरे देश को नाज़ है। राजस्थान के मारवाड़, मेवाड़, वांगड़, हाड़ौती, शेखावटी, ढूंढ़ाड़ के अलावा कुमावत समाज के लोग गांव, ढ़ाणियों और शहरों में बसे हैं। ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा, सच्चाई तो इन शिल्पियों के जीवन का दर्शन है। इनकी कला से सृजित यह हमारा राजस्थान है। जिसके कण-कण में इनकी अनूठी कारीगरी का अलाप गूंजता है।

सलाम है, इनके योग्य पूर्वजों को जिन्होनें, इस धरती माता का अनूठा श्रृंगार किया। धन्य है, इनकी माताओं को, जिन्होनें इन्हें नेकी का पाठ पढ़ाया। यही कारण है कि आज के लोगों को कुमावत कारीगरों पर ही पूरा भरोसा है। **जयपुर को बसाने वाले अनंतराम लाला कैकटिया ने ही तो इस गुलाबी नगरी का मानचित्र बनाया था। अष्ठ सिद्धि-नव निधि के आधार पर बसाए इस जयपुर के निर्माण में, बाल जितना भी दोष नहीं छोड़ा।** राजस्थान को खूबसूरत बनाने वाले शिल्पियों को वास्तुशास्त्र और भवन निर्माण का ईश्वर प्रदत्त ज्ञान है।

देश की राजधानी **दिल्ली** में तो कुमावतों का जलवा रहा है। रायसीना हिल्स, जयपुर हाउस की नेशनल आर्ट गैलेरी आदि न जाने क्या-क्या बना दिया इनके पूर्वजों ने ...इनकी साधना भी उच्च श्रेणी की है। चाहे कुछ भी हो जाए काम में दोष और ओलमा नहीं रहता। आदिकालीन, पौराणिक कुमावत जाति के शिल्पी, सलावत, वास्तुविद, चित्रकार, गजधर, संतरास, राज मिस्त्री, राज कुमावत, उस्ता आदि उपाधियों से सुशोभित हैं।

महाराणा कुंभा हों या जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय...इनके आदेश पर इन शिल्पियों ने इमारतों को अपनी हथौड़ी से ऐसा तराशा है कि **गढ़ और किलों के बाहर चाहे राजा, महाराजा का नाम हो, भीतर तो कुमावत शिल्पियों का खून-पसीना ही बह रहा है।** सैन्य सुरक्षा के लिहाज़ से, कुमावतों ने गढ़ और किले बनाए। इतिहास गवाह वो लंबे वक्त तक अजेय रहे।

कुमावत समाज के लोग खेती भी करते हैं इसीलिए इनको खेतड़ भी कहा गया। **इस जाति का उद्गम चित्तौड़ से हुआ। पंडित रमेश चन्द्र गुणार्थी ने जातियों की खोज लेख में, कुमावत जाति का उल्लेख किया है। कीर्ति स्तम्भ के वास्तुकार जैता और उनके पुत्रों ने भी कई निर्माण किए।**

चित्तौड का विजय स्तम्भ, जिसे कीर्ति स्तम्भ भी कहा जाता है, इसे बनाने में कुमावत समाज के कुशल शिल्पकारों का ही हुनर था। मेवाड़ नरेश राणा कुम्भा ने महमूद खिलजी के नेतृत्व वाली मालवा की सेना पर सारंगपुर की लड़ाई में विजय हासिल की। इसी विजय के प्रतीक स्वरूप विजय स्तम्भ बनाने का आदेश दिया गया। **सन् 1440 से 1448 तक हुए निर्माण कार्य के बाद राणा कुंभा, इस कृति से इतने प्रभावित हुए कि उन्होनें स्तम्भ के वास्तु शिल्पी को सकल वास्तु विशारद की उपाधि दी। इन शिल्पकारों के सम्मान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में राणा कुंभा ने सलावत, वास्तुविद, चित्रकार, गजधर, संतरास, राज मिस्त्री जैसी अलग-अलग उपाधियों के नवाजे जाने वाले शिल्पकारों को एक नई उपाधि देते हुए कहा- हे कुमावतों ...! आपकी कला अद्भुत है, आप लोग धन्य हैं...अपनी कला के बदौलत पहचान बनाने वाले कारीगरों को उस दिन कुमावत के रूप में एक नई पहचान मिली।**

राणा कुंभा द्वारा कुमावत शब्द की व्याख्या में कहा गया कि ...'कु' का मतलब धरती और 'मां' का अर्थ है धरती माता ...और शेष नाम में, धरती का अनूठा श्रृंगार करने वाले, धरती के रक्षक कुमावत हैं।

पूना के बैरिस्टर जीबी बेथोर की मराठी पुस्तक **आमची जाति में कुमावत समाज का उल्लेख किया गया है।** उन्होनें लिखा कि महाराणा कुंभा ने कीर्ति स्तम्भ बनाने के बाद, सलावट आदि वास्तुकारों को कुमावत उपाधि से नवाज़ा। शिलालेख के अनुसार वो चैत्र सुदी अष्टमी थी, अगले दिन राम नवमीं का पावन दिन था। लिहाज़ा, कुमावत जाति अपना उद्गम राम नवमीं से ही मानती है।

महाराणा कुंभा के मन में कुमावत समाज के शिल्पकारों के प्रति अटूट विश्वास था। इसीलिए 15वीं शताब्दी में **कुमावत समाज के हुनरमंद शिल्पकारों को ही कुंभलगढ़ के किले को बनाने का जिम्मा सौंपा।** कुमावत समाज के महान शिल्पी खेता के पुत्र, मंडन ....उस समय के मेवाड के राज शिल्पी थे। उन्होनें इसका मानचित्र तैयार किया और अपनी देख-रेख में इस अद्भुत किले का निर्माण किया। **इस किले के गढ़ रूपी परकोटे पर एक**

साथ चार घुड़सवार दौड़ सकते हैं। चीन की दीवार की तर्ज पर 36 किलोमीटर लंबे मजबूत परकोटे ने इसे अभेद्य बनाए रखा। इस गढ़ के निर्माण में जेता पुत्र पूजा, नाथा, गोविन्द, तेजा, गेंदा, लाला, आदि राज मिस्त्रियों का योगदान रहा था। मंडन वास्तुशास्त्र के प्रसिद्ध ज्ञानी थे, जिन्होने कई ग्रंथ लिखे। जिनमें एक ग्रंथ **राज बल्लभ** बहुत प्रसिद्ध है। कुमावत समाज की भवन निर्माण शैली जग जाहिर रही है। **वास्तु के महापंडित मंडन खनारिया महाराणा कुंभा के राज शिल्पी थे।** इनके वंशज, चित्तौड़ के सलावट मोहल्ले में निवास करते हैं। मंडन ने नौ ग्रंथों की रचना की। जिनमें देवता मूर्ति, प्रसाद मंडन वास्तुशास्त्र, रूप मंडन आदि शामिल हैं। मंडन के पुत्र नाथा भी विद्वान थे, उन्होने **वास्तु मंजरी** ग्रंथ लिखा। गोविंद ने तीन ग्रंथों में यथा कलानिधि, उद्धार धारिणी, दीपिका जैसी महत्वपूर्ण सामग्री लिखी। जबकि **शिल्पकार ईश्वर का आमेर दुर्ग के निर्माण में योगदान रहा।**

उदयपुर संग्रहालय में सुरक्षित एक 'खत्तरगच्छ' के लेख में, ईश्वर के पुत्र छीतर का उल्लेख है। यहीं खेता खनारिया के दो पुत्र मंडन और नाथा मंडन हैं। **लाखा के पुत्र जैता, मंडावरा व उसके भाई नारद का उल्लेख, विक्रम संवत में चित्तौड़ के महावीर प्रसाद की प्रशस्ति में हुआ है।** इस खानदान के कुमावतों ने अनेक किले और मंदिरों का निर्माण करवाया था।

विक्रम संवत 1515 के एक लेख में, लाखा मंडावरा को सकल वास्तु शास्त्र विशारद बताया है। जैता के पुत्रों में नापा, यामा, पूंजा, भूमि, चुथि व बलराज थे। संवत 1538 में, प्रकाशित मूर्ति लेख में शिल्पकार सिहा ने शांतिनाथ जी की मूर्ति बनाई थी। विक्रम संवत 1587 के लेख में मंदिर के जीर्णोद्धार का वर्णन है। नीलकंठ मंदिर के स्तंभ पर विक्रम संवत 1787 के लेख में, बापा के पुत्र वीरभाना मंडावरा का जिक्र है। संवत 1832,1833 व 1839 के लेखों में गजधर शिल्पकारों के नाम के आगे सलावट लिखा है। चित्तौड़गढ़ किले को बनाने में कुमावत जाति के वास्तुशास्त्रियों का बड़ा योगदान मिलता है।

उदयपुर के एकलिंग जी परिसर में, एक सौ आठ मंदिरों का निर्माण, महाराणा मोकल के समय में राज शिल्पी खेता खनारिया की देखरेख में हुआ। महात्म के श्लोक में लिखा है कि यहां पर शिल्पियों ने अद्भुत तोरण द्वार बनवाया। इसके निर्माण में पामा और नापा खनारिया के नाम का उल्लेख मिलता है। **महाराणा मोकल ने राज शिल्पी खेता खनारिया को 'सकल कलाधर' की उपाधि प्रदान की थी। रणकपुर जैन मंदिर को सेठ धन्नाशाह ने बनवाया। इनकी डिजाइन को दीपा 'देपाक' ने बनाई थी।** सन 1335 में निर्माण शुरु हुआ और पूरा होने में 65 साल लगे थे। शिल्पी दीपा के अलावा जेता मंडन, करनाल, रतना, धन्ना व इनके वंशज जैसा व जावै का योगदान रहा। फालना के पास दीपा गांव में यह शिल्पी मेहरावड़ा गौत्र के कुमावत शिल्पी थे। रतना सारड़ीवाल व जैता मंडन खनारिया गौत्र के थे। चित्तौड़ में किशनलाल जी व चतुर्भुज खनारिया शिल्पी मंडन खानदान के उच्च कोटि के वास्तु शिल्पी थे।

ढूंढ़ाड़ के गुमनाम वास्तु शिल्पियों ने आमेर नरेश जयसिंह प्रथम के आदेश पर **ताजमहल** का निर्माण किया। शाहजहां ने 6 जून 1631 को आदेश दिया था कि ताजमहल निर्माण, आमेर के राजाओं की आगरा स्थित हवेलियों की जगह पर होगा। बादशाह शाहजहां आमेर महल के निर्माण से प्रभावित थे। ऐसे में उन्होनें ताजमहल बनाने के लिए ढूंढ़ाड़ के कारीगरों को मांगा था। 21 जून 1632 को योग्य वास्तुकारों को मकराना में मौजूद मुगल अधिकारी के पास भेजने को लिखा था। **ढूंढ़ाड़ से करीब बीस हजार शिल्प पारखी भेजे गए जिन्होनें 20 वर्ष में विश्व के आश्चर्य ताजमहल का निर्माण पूरा किया।** ताजमहल निर्माण में कुमावत शिल्पियों का योगदान रहा।

19 वीं सदी में **फतेहपुर आदि की हवेलियां और झरोखे में बनाने में तुनवाल परिवारों की चित्रकारी का कमाल रहा।** आत्माराम, बालूराम, मोहनलाल, चुन्नीलाल, रामचंद्र, बंशीधर और कन्हैया लाल आदि ने बड़ा काम किया। **लक्ष्मणगढ़** में बालचंद्र मारोठिया व द्वारका प्रसाद का नाम मशहूर है। **सीकर** में

हिंदू जैन मंदिरों हवेलियों के अलावा ढूंढाड़ का चित्रांकन विश्व में प्रसिद्ध है। साहिब राम नामक चितेरा बहुत प्रसिद्ध हुआ।

मनीराम सिरोड़िया तो वास्तु के साथ खगोल शास्त्र के भी पारखी थे। उनकी देख-रेख में जंतर-मंतर का निर्माण हुआ। शेखावाटी अंचल आज भी कुमावत चित्रकारों के बनाए भित्ति चित्रों की वजह से विश्व विख्यात है। रामगढ़, फतेहपुर, मंडावा, सीकर, महनसर, नवलगढ़, डूंडलोद ,मुकुंदगढ़ आदि की हवेलियों के भित्ति चित्र सैलानियों के आकर्षण का केंद्र है। हवेली के गुंबद से लेकर तलघर तक भित्ति चित्र उकेरे गए हैं। शेखावाटी को चित्रकला की खुली दीर्घा भी कहा जाता है। चेजारों ने हवेलियां बनाने के साथ अद्वितीय चित्र भी बनाए। 1680 में चित्रकार हंसा थे। इसके अलावा प्रताप बैंडवाल, गोविंदराम, मांगीलाल घोड़ेला, लादूराम बबेरवाल, गिरधारी सिरसवा, कन्हैयालाल शिव लाल बरबुडा, आनंदीलाल बैंडवाल, नारायण, जीतमल और बालूराम किरोड़ीवाल, रामचंद्र घोड़ेला, कस्तूरचंद नैनवाल विख्यात चित्रकार हुए। इनके वंशज आज भी इस कला को जीवित रखे हुए हैं।

आज के बने निर्माण, भूकंप और आपदा में आज के बने मकान ताश के पत्तों की तरह ढ़ह जाते हैं, लेकिन **कुमावत समाज के हुनर की दाद देनी पडेगी कि सदियों से कितनी भी आपदाएं आई हों, इनके बनाए गढ़, किलों में एक इंच की भी दरार नहीं आई।** कुमावत समाज के पूर्वजों के हाथों से बनें, चूने से बने गढ़ बहुत मजबूत हैं। घरट से घिसाई और मैथी गुड़ से बनी छतों से वर्षों बाद पानी टपकना तो दूर, सीलन तक नहीं आई। **कुचामण का किला** देख लीजिए...रामचन्दर मेघराम ने इसे बनाया था। नारायण घोड़ेला के नाम पर कल्याण जी का रास्ता की एक गली है। **उदयराम घोड़ेला** को जोधपुर के महाराजा ने सोने का कड़ा देकर सम्मानित किया था। **सांभर के कन्हैयालाल चित्रकार और मारोठ का कला घराना तो देश में प्रसिद्ध है।**

स्वाभिमान और कड़ी मेहनत के बल पर इन्होनें अन्य समाजों के बीच इज्जत और बड़ा मुकाम हासिल किया है। आज भी भवन बनता है तो कारीगर और उसके औजार का पूजन किया जाता है। **चंदन की कारीगरी हो या विश्व प्रसिद्ध शीशमहल के कांच की जड़ाई...। चित्रकारी तो ऐसी कि हजारों साल बाद भी फीकी नहीं पड़ी है।**

विश्व प्रसिद्ध **ईसरलाट** का निर्माण सन 1749 में गणेश राम खेडवाल के निर्देशन में हुआ। वास्तुविद मंडन के दूसरे पुत्र ईश्वर का ग्रंथों में उल्लेख मिलता है। विक्रम संवत 1554 की प्रशस्ति में, इसका उल्लेख है। जयपुर महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने अश्वमेघ यज्ञ कराया था। तब **मानसागर झील के बीच में, उस्ता रामनारायण खोवाल व हीरालाल नागा की देख-रेख में महल बना।** यहां महराब और छतरियों का शिल्प अति उत्कृष्ट है। इस झील में बने महल को आमागढ़ और घाट के पत्थरों की नींव पर खड़ा किया। पानी में बने महल पर चूने के मिश्रण से ऐसा प्लास्टर किया गया जिसकी वजह से महल अब तक सुरक्षित है।

उस्ता अनंतराम कैकटिया ने जयपुर का मानचित्र कपड़े पर बनाया जो सिटी पैलेस संग्रहालय में रखा गया है। कैकटिया ने अयोध्या नगरी को आधार मानकर नवग्रहों के हिसाब से जयपुर में नौ चौकड़ियों की स्थापना की। लूणकरण मोरवाल , सोहन जालांधरा, भूरामल खोराणियां, धन्ना मरोठिया, बालजी तागड़ा, कानजी घोडेला, रघुनाथ सिरोहिया, रघुनाथ तागड़ा, जीवन माचीवाल का जयपुर के निर्माण में योगदान रहा। **उस्ता अनंतराम कैकटिया ने सोने का हल चलाकर जयपुर की आधारशिला महाराजा से रखवाई।** कैकटिया को हालुका के नाम से जाना जाता है, इनके वंशज, जयपुर व नाथद्वारा में हैं।

सन 1798 में प्रसिद्ध **हवामहल का निर्माण उस्ता लालचंद व रामचन्द्र कुमावत ने कराया।** उस्ता राम विलास ने चांदी की टकसाल, रामचन्द्र जी का मंदिर, रामनिवास बाग, मैयो अस्पताल आदि का निर्माण अपनी देख-रेख में करवाया। नमक

की मंडी में एक हवेली और रामचन्द्रपुरा की जागीर उस्ताराम विलास को दी गई। सेठ मांगीलाल माचीवाल ने रेलवे स्टेशन, सचिवालय और रामबाग बनवाया। **सरगासूली** उस्ता गणेश राम की देख-रेख में बनी। बाला बक्स मुसरब ने **अलबर्ट हॉल** बनाने में सहायता की। राम प्रकाश गहलोत ने मुंबई में नगर नियोजक की डिग्री हासिल की।

शिलामाता मंदिर, मोती डूंगरी के तख्तेशाही महल का सौंदर्यकरण इन्होंने करवाया। रामप्रकाश गहलोत, पहले राजस्थानी थे, जिनको 1945 में रॉयल इन्स्टीट्यूट ब्रिटिश की सदस्यता मिली। राष्ट्रपति डॉ.राजेन्द्र प्रसाद ने उनको पद्मश्री से सम्मानित किया।

जयपुर के महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय ने रामबक्स उस्ता से रामबाग का मानचित्र बनवाया था। राम प्रकाश गहलोत, जयपुर के प्रमुख वास्तुविद रहे। लालचंद ने मेयो अस्पताल (मेयो कॉलेज) की डिजाइन बनाई। अल्बर्ट हॉल के निर्माण में नारायण मिस्त्री घोड़ेला का योगदान रहा। राम प्रकाश उस्ता, महाराजा स्कूल ऑफ आर्ट्स के प्राचार्य रहे। गंगापोल में लवाण का घेर के राम सहाय ने सिटी पैलेस, नाहरगढ़, आमेर महल की चित्रकारी को नवीन रूप दिया। सवाई रामसिंह ने मास्टर राम प्रसाद उस्ता को सोने के कड़े का सम्मान दिया था। सन 1957 में, राम प्रकाश गहलोत को पद्मश्री मिली। सांभर के कन्हैयालाल वर्मा, डॉ.नाथूलाल, लालचंद मारोठिया का नाम ऊंचा रहा। सौभागमल गहलोत, शांति निकेतन में कला सिखाने गए थे। उन्होनें 1933 में, रामबाग विस्तार के अलावा सिटी पैलेस आदि के मानचित्र बनाए। पंडित नेहरू से इनकी खासी नजदीकियां थी, दिल्ली का विज्ञान भवन जैसी इमारतों को बनाने में इनका योगदान रहा।

विश्वकर्मा पुत्र **कुमावत शिल्पियों ने आमेर का किला बनाया।** 20 वर्ष में यह किला बनकर तैयार हुआ। विश्व के श्रेष्ठ किलों में शुमार आमेर किले के निर्माण में **उस्ता गोरा कैकटिया की देखरेख में हुआ।** गोरा कैकटिया, अनंतराम के दादाजी थे।

उस्ता बाबूलाल मारवाल, सूंडा छापोला की देखरेख में दो हजार कारीगरों ने किले का निर्माण किया। आमेर किला बनाने के बाद, बाबू मारवाल कुचामण और सूंडा छापोला **ग्वालियर** गए जहां मान मंदिर महल बनाया। आमेर किले को देखकर यह अनुमान लगाया जा सकता है कि पांच सौ वर्ष पहले भी कुमावत जाति की परंपरा, स्थापत्य कला कितनी उच्च कोटि की थी। वीरभान ने **राजसमंद** के गढ़, किले बनवाए।

मराठा बाजीराव पेशवा के निर्देश पर **भाऊ मंशा राम धुवारिया ने पुणे का किला बनाया।** इस किले की नींव 10 जनवरी 1730 को रखी गई थी। कुमावत शिल्पी भाऊ मंशाराम को मराठों ने नाईक की सर्वोच्च उपाधि प्रदान की।

मारवाल, मरोड़िया, कारगवाल, राहोरिया, छापोल्या, सिरोहिया, बबेरवाल, बड़ीवाल, खोवाल, घोडेला, अजमेरा, जालवाल, कैकटिया ...करीब सात सौ से ज्यादा इनके गौत्र हैं।

पूर्व में कुमावत समाज की सामाजिक संस्था का नाम **कारीगर कुमावत हितकारिणी सभा** हुआ करता था। **कामगार व दस्तकार जातियाँ वर्ण व्यवस्था के अनुसार क्षत्रिय लगाया करती थी** जैसे क्षत्रिय नामदेव समाज, क्षत्रिय स्वर्णकार समाज, क्षत्रिय माली समाज इत्यादि उसी प्रकार कुमावत समाज भी क्षत्रिय कुमावत समाज लिखती आई है। कई वर्षों से समाज की सभी संस्थाएँ क्षत्रिय कुमावत समाज के नाम से पंजीकृत है।

कुमावतों ने इस देश की पावन धरा पर अपने सृजन के जरिए श्रृंगार किया है। इस धरा पर अपनी कल्पनाशीलता को औजारों के जरिए अपने हुनर में ढ़ाला और ऐसी बेजोड़ इमारतें और कलाकृतियां दी हैं, जो आज भारत की स्थापत्य कला की पहचान कही जाती हैं। **अगर विश्व, भारत की वास्तुकला व स्थापत्य कला का लोहा मानता है तो उस कलाकृति व इमारत की नींव में, यकीनन किसी न किसी कुमावत समाज के शिल्पकार का हुनर ही समाया हुआ है।** राजस्थान ही नहीं समूचा देश इनके प्रति कृतज्ञ है। देश को नाज़ है, कुमावत समाज के पूर्वज और आज के हुनरमंद लोगों पर। कुमावत समाज की नई पीढ़ी ने आज भी राजस्थान और देश में पर्यटन और रियल इस्टेट जैसे अर्थव्यवस्था के दो मजबूत पायदानों की नींव संभाल रखी है और देश के विकास में अपना योगदान दे रहे हैं।

श्रीमती फणीन्द्र कुमावत कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (ग्रुप-बी) के पद पर नियुक्त

श्रीमती फणीन्द्र कुमावत धर्मपत्नी श्री तरुण कुमार, सुपौत्री श्री कृष्णगोपाल कुमावत (गैदर) (के.जी. रेडियोज), सुपुत्री श्री राजसिंह कुमावत, गंगासागर-ए कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर का महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय, गृह मंत्रलाय, भारत सरकार में कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (ग्रुप-बी) के पद पर चयन होने पर पदभार ग्रहण कर लिया है।

इनका पिछले वर्ष ही श्री रामकरण लाल जी मारवाल (निवासी नदबई, भरतपुर) के सुपौत्र श्री तरुण कुमार पुत्र श्री मनोज जी मारवाल के साथ विवाह हुआ है। आपके पति श्री तरुण कुमार, बी-टेक (इलेक्ट्रिकल) तथा वर्तमान में रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में ऑडिटर के पद पर हैं।

आप बचपन से ही शिक्षा में अव्वल रही तथा पूरी शिक्षा अंग्रेजी माध्यम से की है। आपने एम.कॉम. (ई.ए.एफ.एम.), राजस्थान विश्वविद्यालय, कॉमर्स विभाग से किया है। इनके इस पद पर चयन से मायके एवं ससुराल परिवारों के साथ-साथ कुमावत समाज भी गौरवान्वित हुआ है। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से आपके कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (ग्रुप-बी) के पद पर पदभार ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई।

आर्टिस्ट विजय वर्मा नेपाल में सम्मानित

शेखावाटी गुढ़ागोरजी से एक ऐसे आर्टिस्ट हैं, **विजय वर्मा,** जो निरंतर कला चर्चा में बने रहते है। हाल में उन्होंने नेपाल कला परिषद में अपनी कला प्रदर्शनी की है। नेपाल कला प्रदर्शनी में आए मुख्य अतिथि माननीय प्रधानमंत्री सुजाता कोइराला, सम्मानित अतिथि मुक्ता कुमारी यादव सांसद और आर्ट एंड कल्चर विभाग नेपाल द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया है। यह कला प्रदर्शनी रैंबो कला वर्ल्ड, और G. P Koirala Foundation द्वारा की गई है। भारत के अलावा अन्य नौ विदेश से आर्टिस्ट्स ने भाग लिया था।

विजय वर्मा अनेक कला और सामाजिक संस्थाओं द्वारा सम्मानित हो चुके है।

विजय वर्मा अपनी कला में अनेक विषयों मे दक्षता हासिल की है। अपनी सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे है। अपनी कला यात्रा जारी रखते हुए आज आधुनिक कला में एक हस्ताक्षर है। विजय वर्मा कला कृतियां बनाने के अलावा लेखन तथा छाया चित्रों में में रुचि रखते है। लेखन में किसी भी विषयों में उनका सुक्ष्म रूप बनाने अद्भुत है। उनके द्वारा लिखे लेख अनेक पुस्तक और अखबारों में प्रकाशित हो चुके है।

गुढा बैरसल में राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल प्रतिभाओं का सम्मान

ग्राम पंचायत गुढा बैरसल में 5 से 10 अगस्त 2023 तक 5 दिवसीय राजीव गांधी ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का समापन,

मुख्य अतिथि वार्ड पंच ओमप्रकाश सिरोहिया और प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में राष्ट्रगान के साथ किया गया। प्रधानाचार्य बालकिशन ने बताया कि खेल प्रतियोगिताओं का शांतिपूर्वक समापन हुआ जिसमें कबड्डी, वालीबाल, टेनिस, खो-खो, क्रिकेट, टीमों का रजिस्ट्रेशन हुआ था। सभी विजेता छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया और मुख्य अतिथि ओमप्रकाश सिरोहिया ने विद्यालय के प्रधानाचार्य व शिक्षकगणों का माला पहनाकर सत्कार किया। इस अवसर पर बजरंग मारवाल, चेतन मारवाल, आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उदयपुर की दीपिका नाहर, राजस्थान कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग की प्रदेश सचिव नियुक्त

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा वर्ग विभाग के 05 अगस्त 2023 को श्रीमती दीपिका नाहर पत्नी श्री युवराज सिंह नाहर को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा विभाग की प्रदेश सचिव पर नियुक्त कर नियुक्त पत्र देकर पगड़ी, उपरना एव माला पहनाकर स्वगत करते हुए प्रदेश सचिव पद की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर ओबीसी विभाग के जयपुर जिलाध्यक्ष श्री नानूराम जी कुमावत, प्रदेश प्रोग्राम कॉर्डिनेटर,ओबीसी विभाग श्री अमर चंद मंडावरा एव पूर्व कांग्रेस कमेटी ब्लाक उपाध्यक्ष (महिला), श्रीमती लता नाहर, प्रदेश महामंत्री, द.प.जोन, महासभा श्री दयाशंकर रावड़िया, उदयपुर नगर जिला महासभा जिलाध्यक्ष श्री युवराज सिंह नाहर, उदयपुर जिला महासभा मंत्री(प्रशासनिक) श्री वी एल मंडावरा एव पांचखेड़ा पंचायत कोषाध्यक्ष श्री पंकज टाँक उपस्थित रहे।

बालजी घोड़ेला की पुण्यतिथि मनाई गई

8 अगस्त 2023 को समाज के दानवीर स्व. श्री बाला बक्श घोड़ेला (बालजी घोड़ेला) की पुण्यतिथि, बाल निवास जयपुर के प्रधान ट्रस्टी श्री रामप्रसाद घोड़ेला की अध्यक्षता में बालनिवास जयपुर सभा भवन में समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। प्रतिष्ठित समाजजनों ने दानवीर बालाजी घोड़ेला की मूर्ति पर पुष्पचढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा याद किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के मंत्री डॉ. जयनारायण जूनवाल, ट्रस्टी श्री प्रेमप्रकाश घोड़ेला, श्री रामेश्वर बम्बोरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा, श्री सोहनलाल अजमेरा वरिष्ठ समाज सेवी, ओमप्रकाश कैकट्या, मनोहरलाल मारवाल, यशपाल कुमावत, शशिकांत अनावड़िया, विजयपाल मारवाल, रामेश्वर दम्बीवाल, पूनमचन्द मामोड़िया, सत्यनारायण बड़चारिया, अमरसिंह सिरोहिया, कालूराम ब्याड़वाल, गोपालसिंह खोवाल, महेन्द्र कुमार सिरोड़िया, अमित कुमावत, भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य व पदाधिकारी, श्रीमती पूनम अजमेरा, श्रीमती शिला अनावड़िया, विजेन्द्र मारवाल, श्रीमती गीता जूनवाल, श्रीमती राजबाला कण्डेरीवाल आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर उपस्थित समाजजनों ने सर्वसम्मति से विचार कर चिन्ता व्यक्त किया कि बाल निवास जैसा पूर्व में था आज भी वैसा ही है, इसमें सुधार एवं विकास की नितान्त आवश्यकता है। बाल निवास ट्रस्ट के महामंत्री ने प्रस्ताव रखा की सभी को मिलजुलकर इसके विकास हेतु आर्थिक सहयोग करना चाहिए जिस पर सभी ने एक स्वर में सहमति व्यक्त की। इस क्रम में बाल निवास के विकास कार्यों के लिए सर्वप्रथम श्री रामेश्वर बम्बोरिया ने 2,51,000 रुपए, डॉ. जयनारायण जूनवाल ने 1,51,000, श्री सोहनलाल अजमेरा सांगानेर ने 1,00,000, श्री प्रेमप्रकाश घोड़ेला ने 51,000 रुपए, श्री गोपाल सिंह खोवाल ने 11,000 तथा श्री विजय पाल मारवाल ने 11,000 रुपए सहयोग राशि देने की घोषणा की।यह सही है कि बाल निवास, जयपुर का विकास किया जाना चाहिए जिससे कि यह समाज के अधिकतम उपयोग में आ सके। इसके लिए सभी समाजजनों को खुले दिल से सहयोग राशि दी जानी चाहिए।

डॉ सुभिता कुमावत द्वारा लिखी गई पुस्तक का विमोचन माननीय कुलपति महोदय श्री बलराज सिंह जी के द्वारा कृषि महाविद्यालय, फतेहपुर के वार्षिक कार्यक्रम 'ज़ॉल 2023' के दौरान किया गया, बधाई।

मृतक मुकेश कुमावत के परिवार को 7 लाख रुपए का आर्थिक सहयोग

नावां सिटी के निकटग्राम हेमपुरा के 20 वर्षीय युवक मुकेश कुमावत की ओंकारेश्वर में नदी में डूबकर मौत हो जाने के कारण उसके परिवार की दयनीय आर्थिक हालत को देखते हुए दाह संस्कार के दौरान ही मिशन मानवता पहल शुरू की गई। इस मिशन में हेमपुरा व अपना समाज नावां-कुचामन की संयुक्त भागीदारी के फलस्वरूप क्षेत्रवासियों एवं मार्बल व्यवसायियों के सहयोग से दो दिन में ही सात लाख रुपए एकत्र किए गए तथा मृतक परिवार को आर्थिक सहायता देकर अनुकरणीय कार्य किया। मृतक के परिवार में मृतक की माँ, नानी और छोटी बहिन है। मिशन मानवता ग्रुप के एडमिन राधेश्याम कुमावत हेमपुरा तथा अपना समाज ग्रुप के एडमिन रतन राहोरिया व रमेश पिपलोदा की प्रेरणा से यह मानवीय कार्य दो दिन में ही पूर्ण हो गया। इसके लिए दोनों सोशल ग्रुप्स को तथा सहयोगकर्ताओं को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से धन्यवाद।

वन्दे भारत एक्सप्रेस उदयपुर से अजमेर के प्रथम चालक बने भागचंद कुमावत

वन्दे भारत एक्सप्रेस को पहली बार उदयपुर से अजमेर लेकर जाने का सौभाग्य मिला श्री भागचंद कुमावत को। वन्दे भारत एक्सप्रेस भारत की तीव्र गति से चलने वाली आधुनिक पेसेन्जर रेलगाड़ी है जिसे अनेक नए फिचर से युक्त किया गया है। श्री भागचन्द कुमावत ने इसके प्रथम चालक बनकर अपना तथा भारतवर्ष में कुमावत समाज का नाम रोशन किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका श्री भागचंद कुमावत के उज्ज्वल भविष्य कामना करती है।

6 साल बेमिसाल

सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल की कलम से.....

बौद्धिक समाज का निर्माण करने में सामाजिक पत्र पत्रिकाओं की भूमिका मुख्य होती है। सामाजिक पत्रकारिता चुनौतियों से भरी होती है लेकिन सामाजिक चेतना के लिए इन चुनौतियों को स्वीकार करना भी आनंददायक होता है। व्यक्ति सुबह उठते ही समाचार-पत्र खोजने लगता है, यदि उस समय समाचार-पत्र नहीं मिलता तो उसे बेचैनी होने लगती है। इस प्रकार समाचार-पत्र, सामाजिक पत्रिकाएं, सामाजिक जीवन का एक हिस्सा बन गयी है। इनके बिना दिन की शुरुआत की कल्पना करना मुश्किल हो जाता है। समाचार-पत्र, सामाजिक पत्रिकाएं आते ही व्यक्ति जिस क्षेत्र से जुड़ा है, उसकी खबरों को पहले देखना पसन्द करता है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका जनभावनाओं का सम्मान करते हुए समाज को आइना दिखाने के लिए सदैव प्रयासरत रही है।

सामाजिक पत्र-पत्रिकायें समाज के लोगों को सकारात्मक रुप से प्रभावित करती है क्योंकि आज के समय में सभी लोग समाज की सामयिक घटनाओं को जानने में रुचि रखने लगे हैं। सामाजिक पत्रिकायें समाज से जुड़ाव का सबसे अच्छा तरीका है। पत्रिका समाजबंधुओं को पूरे भारतवर्ष की बड़ी व छोटी खबरों का विवरण प्रदान करती है।

देश व समाज के विकास में सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने अपने सशक्त समाचारों से समाज को जागरूक कर आगे बढ़ाने का कार्य कर देश व समाज के विकास में योगदान दिया है जो निरन्तर जारी है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के क्लेवर, फोटो सेटिंग, समाचार का रचनात्मक, सकारात्मक, विश्वसनियता, पारदर्शिता, विस्तृत अंदाज, गुणवत्ता, निक्ष्पक्षता, सत्यता, नियमितता के साथ पत्रिका का प्रकाशन किया है। 'समाज का साथ, समाज का विकास' वाली पठनीय सामग्री को पाठकों ने पसंद किया है। सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं का भूत, भविष्य, वर्तमान उज्ज्वल रहा है और आगे भी रहेगा। पत्रिका को समाज द्वारा इसलिए भी सराहा गया है पत्रिका के पत्रकार और संवादसूत्र दूर-दराज के क्षेत्रों में समाज के अंतिम व्यक्ति से पैठ बनाकर उसका दुख-दर्द परेशानी आदि को जानकर पत्रिका में स्थान देकर समाज के सम्मुख लाकर समस्या का निवारण, दु:ख-दर्द दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। जो कि समाज को सुदृढ़ बनाने में कारगर साबित होती है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने अल्पसमय में खासी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रिका ने कोरोना महामारी का वो समय भी देखा है, परन्तु पत्रिका ने अपने प्रकाशन नियमित रूप से निकाले तथा समाज को सामाजिक खबरों से रूबरू करवाया। सूचनाओं की जानकारी के बिना हम अपने आपको समाज से नहीं जोड़ सकते हैं- न राजनैतिक रूप से, न सामाजिक रूप से और न आर्थिक रूप से।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने समाज के विकास में अनूठे आयाम दिए हैं। कुमावत इंडिया पत्रिका पूरे भारतवर्ष में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली पत्रिका है। इसका कारण पत्रिका के प्रकाशन के बाद सोशल मीडिया व समाज के वाट्सअप ग्रुपों में डाला जाना है। जिससे पत्रिका को भारतवर्ष के किसी भी कोने में बैठा समाजबंधु इस पत्रिका को पढ़ सके। पत्रिका ने हर मुद्दे पर निष्पक्ष और निडर पत्रकारिता की है। चाहे वह राजनीतिक हो, सामाजिक हो या प्रशासनिक। सबसे पहले सबसे, सबसे तेज खबरें समाज के कोने-कोने में पहुंचाई। सामाजिक सरोकारों सहित सभी पहलुओं पर पत्रिका ने अपना अलग मुकाम बनाया है। इतना ही नहीं इस जुझारू और कर्मठता की प्रतीक पत्रिका ने समय-समय पर इसके सभी सदस्यों के मान सम्मान के लिए कुछ विशेष आयोजन भी किए हैं और उनका आभार व्यक्त किया है, समाज के गणमान्य और गौरवशाली व्यक्तित्व को तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वालों को रूबरू रख कर सम्मानित किया है। अत: कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी यह कहने में की इस पत्रिका के 6 साल बड़े बेमिसाल! पत्रिका और अधिक ऊंचाईयों पर पहुंचे इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी जरूरी है, ताकि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका देश में एक अलग पहचान, मुकाम पा सके।

दांतारामगढ व पलसाना की प्रतिभाओं का प्रतिभा सम्मान समारोह

कुमावत युवा समिति, दांतारामगढ़ के तत्वाधान में 3 सितंबर 2023 को कुमावत समाज की 2023 में RBSE व CBSE से कक्षा 10 व 12 में 75% से अधिक तथा स्नातक, स्नातकोत्तर, BEd, STC में 75% से अधिक तथा MBBS, JEE, IIT, LLB, B.Tech, M.Tech, नर्सिंग, B.Sc नर्सिंग में सरकारी कॉलेज या सरकारी संस्थान से चयनित विधानसभा क्षेत्र दांतारामगढ़ व तहसील पलसाना व दांतारामगढ़ की प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। समारोह का आयोजन प्रीति बाग रेनवाल रोड , दांतारामगढ़ है।

परमानन्द कुमावत बगरू बृजवासी गौ रक्षक सेना के उपाध्यक्ष नियुक्त

बृजवासी गौ रक्षक सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष विक्रम सिंह तंवर तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष संत धर्मदास महाराज द्वारा बगरू जिला जयपुर के श्री परमानन्द कुमावत को बृजवासी गौ रक्षक सेना का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बधाई।

वाट्सएप ग्रुप से महिलाओं व बेटियों को शिक्षा से जोड़ा

पलसाना के शहीद सीताराम कुमावत द्वारा कारगिल की लड़ाई में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनके नाम पर स्थापित फाउण्डेशन ने तीन साल पहले वाट्सएप ग्रुप की स्थापना की थी जिसके अब 300 से ज्यादा सदस्य हैं। अपने शहीद पिता सीताराम कुमावत के नाम को अमर करने के लिए उनकी बेटी द्वारा इस ग्रुप के माध्यम से सैंकड़ों ग्रामीणों को आर्थिक मदद पहुंचाने का काम किया है।

संस्था ने लगभग 60 महिलाओं को रोजगार व 50 बेटियों को शिक्षा से जोड़कर अनुकरणीय कार्य किया है। इस ग्रुप के सदस्य पारिवारिक कार्यक्रमों जैसे वैवाहिक वर्षगांठ, जन्मदिन, सेवानिवृत्ति आदि पर स्वेच्छा से फाउण्डेशन द्वारा सहयोग देते हैं। बेटी के जन्म होने पर सदस्य इस ग्रुप को 1100 रुपए देते हैं।

इस ग्रुप द्वारा • कोरोना के दौरान दो किडनीया खराब होने तथा बाद में कैंसर होने पर इलाज के लिए फाउण्डेशन की तरफ से 15000 रुपए का सहयोग दिया तथा मुहिम चलाकर सवा दो लाख रुपए की आर्थिक मदद की। • खण्डेला के रामनाथ कुमावत की अचानक तबीयत खराब होकर अस्पताल में मृत्यु होने पर उनकी पांच बेटियों के लिए संस्था ने तत्काल 16000 रुपए की आर्थिक मदद की तथा मुहिम चलाकर 6 लाख रुपए की मदद और की। • पलसाना क्षेत्र के हरीकिशन की गम्भीर बीमारी तथा बाद में मृत्यु होने पर परिवार में कोई कमाने वाला नहीं रहा तो उनकी पत्नी संतोष देवी को भरण-पोषण के लिए एक दुकान कराकर आर्थिक मदद की।

शहीद श्री सीताराम कुमावत की बेटी यह अनुकरणीय पहल प्रशंसनीय है तथा कुमावत समाज के बाहुल्य क्षेत्रों में इस तरह के वाट्सएप ग्रुप बनाकर कठिनाई में मदद करने संबंधी कार्य किया जाना चाहिए जिससे की गरीब परिवारों की आर्थिक कठिनाइयों को कम करने में मदद मिल सके।

स्थापत्य कला बोर्ड का गठन

कुमावत समाज के विकास एवं उत्थान के लिए राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत को कुमावत स्थापत्य कला बोर्ड का गठन करने पर हार्दिक आभार एवं धन्यवाद और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव श्री मुकेश वर्मा (कुमावत) का भी आभार, जिन्होंने हमेशा की तरह कुमावत समाज द्वारा दी गई जिम्मेदारी को निभाया, उनके भागीरथी प्रयास से ही इस महत्त्वपूर्ण बोर्ड का गठन सम्भव हो पाया। इस बोर्ड के गठन से राजस्थान के कुमावत ठेकेदारों, शिल्पकारों, कारीगरों, वास्तुकारों व चित्रकारों को एक प्लेटफॉर्म मिलेगा, जिससे हमारी स्थापत्य कला को सुरक्षित एवं संरक्षित रख पायेंगे तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए रोज़गार के अवसर उपलब्ध हो पाएंगे।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा

सामूहिक गोठ एवं राजनैतिक चिंतन सम्मेलन

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की जयपुर स्थित राष्ट्रीय पदाधिकारी प्रदेश पदाधिकारी व जिला पदाधिकारी व विधानसभा पदाधिकारी व कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक 6 अगस्त 2023 को बाल निवास, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष रामेश्वर बंबोरिया ने की। संचालन राष्ट्रीय महामंत्री रूप सिंह कारगवाल ने किया। इस बैठक में जयपुर शहर के 73 कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक में सर्व सहमति से यह तय किया गया कि हर वर्ष की भांति जयपुर शहर में कुमावत क्षत्रिय समाज की एक सामूहिक गोठ का आयोजन 17 सितंबर 2023 को किया जाएगा सामूहिक गोठ से पूर्व पूरे भारत से लगभग सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के 500 से अधिक पदाधिकारी व प्रतिनिधि मिलकर एक सामूहिक बैठक करेंगे जिसमें आने वाले विधानसभा चुनाव में किस तरह सभी दलों से कुमावत समाज के सदस्यों को अधिक से अधिक विधानसभा टिकट मिल सके इस संदर्भ में रणनीति तैयार की जाएगी।

मनोज कारगवाल सम्मानित

मनोज कारगवाल, सोशल एक्टिविस्ट, दिल्ली (होम टाउन- ढाणी बढ़ान, झुंझुनु) को उनके द्वारा किये गए समाज सेवा एवं समाज सुधार कार्यों के लिए माननीय कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार श्री राजकुमार आनंद द्वारा भारत वर्चुअल यूनिवर्सिटी फॉर पीस एंड एजुकेशन ने डॉक्टरेट की मानद उपाधि से नवाजा गया, बधाई।

कुमावत बेलदार वेब पोर्टल का लोकार्पण

नासिक। 15 अगस्त 2023 को श्री नितिन कुमार मुंडावरे, डिप्टी मजिस्ट्रेट तथा अतिरिक्त सरकारी अभियोजक श्री राजेंद्रजी के तत्वावधान में माननीय श्री प्रफुलचंद्रजी कुमावत के स्वामित्व वाले वेब पोर्टल https://kumwattbeldar.com का उद्घाटन बगदाने की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सम्पादक श्री देवीदास परदेशी ने इस वेब पोर्टल के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि केवल कुमावत-बेलदार समाज के लिए काम करते रहेंगे तथा इस पोर्टल पर समूहों और संगठनों के भेदभाव के बिना एक समान दृष्टिकोण रखेंगे।

इस पोर्टल पर ब्रेकिंग न्यूज, लाइव न्यूज, सभी समाचार, जनगणना, बधाई, निर्माण श्रमिकों का ऑनलाइन पंजीकरण, उपयोगी जानकारी, घोषणाएँ, श्रद्धांजलि, आईएएस, आईपीएस, डीन, आईएएस, आईसीएस, जीईएस, एमपीएसी, यूपीएससी टॉपर्स, चिकित्सा और खेल के क्षेत्र में विशेष कार्य करने वालों से छात्रों को मार्गदर्शन तथा प्रेरक व्याख्यान दिये जायेंगे। प्रो. प्रफुल्ल चंद्रजी कुमावत ने कहा कि वह इस वेब पोर्टल और पीपी फाउंडेशन के माध्यम से मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करना, गरीब बच्चों को व्यावसायिक शिक्षा के लिए मदद करना, स्कूली बच्चों को छात्रवृत्ति प्रदान करना जारी रखेंगे। इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से कहा कि वे वेब पोर्टल लिंक साझा करें और समुदाय के अधिकतम सदस्यों तक पहुंचने का प्रयास करें। अधिक से अधिक विज्ञापन दें, विज्ञापन से मिलने वाला पैसा और बायोडाटा प्रचार लड़कों और लड़कियों की शिक्षा से कई जरूरतमंद लोगों की शिक्षा में मदद मिलेगी।

प्रदेश अध्यक्ष साहेबराव बापू तथा अखिल कुमावत सभा के उपाध्यक्ष बापूसाहेब तुसे कुमावत ने फोन पर शुभकामनाएं दीं। भगवानराव अनावड़े, पंडितराव कुमावत, कैलासराव मालवाल, अशोकराव कुमावत सर, अतुलभाऊ चव्हाण, भाऊसाहेब कुमावत, अमोलदादा कुमावत, सचिनराव परदेशी, दीपकराव मुंडावरे, समीर छापरवाल, वेब डिजाइनिंग कर्ता नागारे, गजाननजी नारले आदि उपस्थित थे। माननीय जिला अध्यक्ष अशोकराव कुमावत के फार्महाउस पर रात्रि भोज का आनंद लिया।

राजस्थान में ओबीसी आरक्षण 21% से 27% प्रतिशत करने की घोषणा

मुख्यमन्त्री श्री अशोक गहलोत का आभार

राजस्थान में ओबीसी वर्ग आरक्षण विगत लंबे समय से 21% से 27% प्रतिशत करने व उसमें जातिगत जनगणना के आधार पर वर्गीकरण की माँग लंबित थी। हाल ही में जयपुर में ओबीसी समाजों की हुई विभिन्न महापंचायत, महासभा व महाकुम्भ में यह माँग प्रमुखता से उठाई गई थी। कुमावत महापंचायत में भी यह मांग प्रमुखता से उठाई गई थी। राजस्थान के मुख्यमन्त्री श्री अशोक गहलोत ने इसे पूरा करने की दिशा में सराहनीय कदम उठाया है। ओबीसी का आरक्षण 21% से 27% करने व इसमें 6% मूल ओबीसी के अति पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित करने और जातिगत जनगणना की ओर सराहनीय पहल की है। इसके लिए मूल ओबीसी वर्ग मुख्यमन्त्री श्री गहलोत का ह्रदय से आभार व्यक्त करता है।

यह घोषणा मूल ओबीसी वर्ग की सभी जातियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। श्री मुकेश वर्मा सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने माननीय मुख्यमंत्री का ह्रदय की गहराईयों से आभार व्यक्त किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से भी माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का इस प्रगतिशील निर्णय के लिए आभार।

राष्ट्रीय स्तरीय स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग व इन्कलाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता

पवन कुमावत बने कप्तान : राष्ट्रीय सीनियर, जूनियर, मास्टर्स, महिला-पुरुष स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग प्रतियोगिता, उदयपुर के लिए राजस्थान सीनियर टीम के कप्तान पवन कुमावत को राजस्थान स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग के कप्तान बनाया गया।

श्री दीनदयाल कुमावत के नेतृत्व में श्री पवन कुमावत आदि राजभवन में लोकसभा स्पीकर श्री ओम बिड़ला से मिले इन्हें श्री बिड़ला ने चैम्पियनशिप जीतने पर बधाई दी। इसके पश्चात दिल्ली में रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने श्री पवन कुमावत आदि को बुलाकर उन्हें मैडल पहनाकर सम्मानित किया।

महेन्द्र ने जीता सिल्वर मेडल : हाथोज के महेन्द्र कुमार नगलिया ने 85 किलो भार वर्ग में बेंच प्रेस में कुल 135 किलो वजन उठाकर 33वीं राष्ट्रीय स्तरीय स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग व इन्कलाइन बेंच प्रेस प्रतियोगिता, उदयपुर 26-30 जुलाई, 2023 में सिल्वर मैडल जीता। इसमें देश भर के 750 खिलाड़ियों ने भाग लिया था। बधाई।

स्वतंत्रता दिवस पर विद्युत निगमों में सम्मानित ''कुमावत बंधु''

स्वतंत्रता दिवस पर विद्युत निगमों अपने विशिश्ठ योगदान के लिये पावर सेक्टर्स कुमावत संगठन से सम्बद्ध कुमावत अधिकारी/कर्मचारी बन्धुओं को अध्यक्षत्व प्रबन्ध निदेशक (प्रसारण नियम) तथा श्रीराम निवास कुमावत प्रबन्ध निदेशक (जयपुर डिस्कॉम) द्वारा योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिन्हें सम्मानित किया गया है उनके नाम हैं—

श्री भवानी शंकर बासनीवाल लेखाधिकारी, श्री प्रहलाद चन्द कुमावत निजी सहायक, श्री राजेश कुमार कुमावत सहायक प्रशासनिक अधिकारी, श्री लीला कुमावत टेक्नीशियन-प्रथम, श्री राजेन्द्र प्रजापत सहायक अभियन्ता, श्री राहुल वर्मा कनिष्ठ अभियन्ता, श्री दिनेश चन्द्र कुमावत SSA-II, श्री रवि कुमार कुमावत मिस्त्री-II

पावर सेक्टर्स कुमावत ग्रुप के संयोजक श्री लक्ष्मीनारायण कुमावत उपरोक्त प्रतिभावान कुमावत अधिकारी कर्मचारीगणों को अपने ग्रुप की तरफ से हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित की है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से इन सभी अधिकारियों/कर्मचारियों को हार्दिक बधाई।

श्री लतेश कुमावत, चूरु का RPSC से समाजशास्त्र विषय में प्रथम श्रेणी अध्यापक परीक्षा में 1st Rank प्राप्त करने पर बधाई।

पूजा कुमावत पत्नी श्री सुरेन्द्र बालोदिया, खाण्डली कोठी, कुचामनसिटी का वरिष्ठ अध्यापक विज्ञान के पद पर चयन होने पर बधाई

सुरेश दादरवाल (कुमावत), लखजी का बास, हिरानी का वरिष्ठ अध्यापक के पर चयन होने पर बधाई।

ओमकार ध्वनि में छिपा स्वास्थ्य

1008 श्री एकलिंगनाथ अखण्ड ज्योजित द्वारा प्रचारक भारतीय कुमावत क्षत्रिय समाज, उदयपुर (मेवाड़) एवं अखिल विश्व गायत्री परिवार उदयपुर के तत्वावधान में श्री घनश्यामलाल पटवा द्वारा ओमकार ध्वनि में छिपा स्वास्थ्य के बारे में निम्न महत्वपूर्ण जानकारी क्षेत्र में दी जा रही है-

(1) ॐ से हृदय शुद्धि होती है एवं मानसिक शक्तियां प्रखर होती हैं।

(2) ॐ क्रोध का नाश होता है।

(3) ॐ आत्मविश्वास को बढ़ाता है।

(4) ॐ अधीरता का नाश होता है।

(5) ॐ निर्भयता स्वभाव में आती है।

(6) ॐ अनियंत्रित और व्यर्थ इच्छाओं का दमन होता है।

(7) ॐ हमारे अन्मय शरीर का रहस्यमय प्रक्षालन होने लगता है, जिससे स्वास्थ्य पूर्णरुपेण लाभ प्राप्त होता है।

ओमकार मंत्र के जाप से आन्तरिक शक्तियां प्रस्फुटित होती है, विचारों तथा शब्दों में सुस्पष्टता आती है।

योग और ॐ:-

''ओम'' शब्द में उच्चारण की दृष्टि से तीन वर्ण समाविष्ट होते हैं। अ, उ और म। **अ वर्ण** का उच्चारण करने पर 'दमा' रोग शान्त होता है, आलस्य दूर होता है, ओज एवं शक्ति बढ़ती है।

'उ' वर्ण के उच्चारण से यकृत, पेट एवं आंतों पर अच्छा प्रभाव होता है। इससे कब्ज भी आसानी से दूर हो जाती।

'म' वर्ण के उच्चारण से मानसिक शक्तियां विकसित होती है।

ओमकार उच्चारा की विधि के नित्याभ्यास से अफरा, अपच, कब्ज इत्यादि उदर-रोगों का सहज ही शमन हो जाता है। मन को अखण्ड शान्ति प्राप्त होती है तथा विचारों में स्थिरता एवं बल मिलता है।

पद्मासन या सिद्धासन या वज्रासन में बैठें। सर्वप्रथम रेचक करें, तत्पश्चात गहरा श्वांस भरें। अब मन्द ध्वनि से धीरे-धीरे 'ओ' ध्वनि का उच्चारण आरंभ करें। जब लगे आधी शक्ति का उपयोग हो गया, उस समय उत्तरोत्तर ध्वनि को बिना रुके हुए गुंजायमान करते हुए 'म' का उच्चारण आरंभ कर दें। 'म' का उच्चारण भ्रमरनादवत् प्रश्वांस की समाप्ति तक प्रयास पूर्वक करना है। जब 'म' का उच्चारण करते हुए ऐसा प्रतीत होने लगे कि शरीर में शक्ति एवं फेफड़ों में वायु लेश मात्र भी नहीं बची है, तो बाह्य-कुंभक लगाएं। पेट को कुछ क्षणों तक भीतर ही चिपकी हुई स्थिति में रहने दें। पूरे समय तक पेट में होने वाली अनुभूतियों, ध्वनियों पर ध्यान एकाग्र करना है।

श्री घनश्याम पटवा द्वारा ओमकार ध्वनि के बारे में दी जा रही जानकारी के लिए साधुवाद।

जन्माष्टमी पर्व

कृष्ण भगवान के उपदेश जो संकट के समय संशय में पड़े अर्जुन को दिये गये आज पूरा विश्व भगवत् गीता में वर्णित उन उपदेशों को बड़े विश्वास के साथ मानता है तथा उनके आदर्शों पर चलने की कोशिश भी करता है। जो कर्म में विश्वास करता है वह जीवन में निश्चित सफलता भी प्राप्त करता है चाहे कितने भी संकट खड़े हो जाएं।

अद्‌भुत और विलक्षण शक्तियों के प्रतीक के रूप में जाने वाले भगवान श्री कृष्ण की जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्ष और उल्लास से भाद्रपद माह में कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। कहा जाता है कि श्री कृष्ण मध्यरात्रि 12.00 बजे जन्मे थे तथा दुष्टों का संहार करने के लिये प्रकट हुए थे। अत: इस दिन भक्त पूरे दिन व्रत रखते हैं तथा मध्यरात्रि में इनकी पूजा-अर्चना व आरती करके व्रत खोलते हैं। कृष्ण का बचपन उनकी बाल लीलाओं के कारण विश्वविख्यात है, यौवन की रासलीलाएं और अद्‌भुत घटनाएं उन्हें एकदम विलक्षण बनाती हैं उनका चरित्र व चातुर्य उनके अनुयायियों को अत्यंत प्रभावित करता है। अपने भक्तों को कृष्ण भगवान साथ चलकर संकट से मुक्त कर देते थे। ऐसे भगवन खुद भी बचपन से लेकर बड़े होने तक अनेकानेक संकटों का सामना कर अपने भक्तों का मार्ग प्रशस्त करते थे।

कृष्ण का माखन व दही का प्रेम किसी से छुपा नहीं है क्योंकि वे बताना चाहते हैं कि दही को जितना मथा जाएगा तथा यहां पर वह मक्खन के रूप में निकल कर आएगा। ठीक उसी तरह जीवन का असली आनंद अनेकानेक कठिन संघर्ष से निकलकर ही लिया जा सकता है।

अत: युवा मन इसी प्रेरणा से जन्माष्टमी पर्व पर दही व मक्खन की हांडी को ऊँचाई पर टांगकर फोड़ने का प्रयास करते हैं।

जीवन के कठिन समय में जब सब तरफ निराशा मिले तो कृष्ण के अनुसार हमें अपना सर्वस्व उन्हीं के चरणों में न्यौछावर कर देना चाहिए। वे अवश्य हमें हर मुसीबत से उबार लेते हैं।

कृष्ण प्रेम के अनन्त प्रभाव को गोपियों ने बखूबी समझा था जिसके वशीभूत होकर सभी गोपियां, गौएं व ग्वाले पूरे ब्रजमंडल में रास रचाया करते थे जिसकी अनुभूति आज भी की जाती है।

ऐसे कर्मशीलता और फल की कामना से परे विश्वास को जन्म देने वाले कृष्ण के जन्मदिन (जन्माष्टमी) पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।

- भारती तोंदवाल

श्री हनुमान चालीसा की सारगर्भित जानकारी

श्री हनुमान चालीसा पाठ लगभग हम सभी अपनी श्रद्धा अनुसार करते हैं। श्री हनुमान चालीसा पाठ के हर उच्चारित शब्दों की गणना के बारे में जानेंगे निम्न महत्वपूर्ण प्रश्नों की जानकारी:

1. इसमें कुल कितने शब्द है?
2. कुल कितने प्रकार के शब्दों का प्रयोग हुआ है?
3. किन-किन शब्दों का प्रयोग बार बार और कितनी-कितनी बार हुआ है?
4. कितने शब्दों का केवल एक ही बार प्रयोग हुआ है?

इन्ही सभी प्रश्नों के जवाब के लिए गणना करके हमने कुछ परिणाम निकाले हैं जो प्रस्तुत है। यद्यपि इस गणना का हम पूर्ण सटीकता का दावा तो नहीं करते पर फिर भी गणना सटीक होने की पूर्ण आशा रखतें हैं।

हनुमान जी कृपा से इन प्रश्नों का उत्तर प्रस्तुत है-

श्री हनुमान चालीसा पाठ में कुल 417 शब्द हैं, जिनमें 322 प्रकार के शब्द हैं, और 50 शब्दों का बार बार प्रयोग हुआ है। जिनमें -

- 'राम' शब्द 9 बार। ■'के' शब्द 7 बार।
- जो व तुम शब्द 6-6 बार।
- 'जय व सब' शब्द 5-5 बार।
- 'हनुमान, काज, को, रूप, ते' (यानि ये पांच शब्द) 4-4 बार।
- 'मन, फल, और लखन, धरि, तुम्हरे, हनुमत, संकट, जनम' (यानि कुल नौ शब्द) 3-3 बार।
- 'श्री, रघुबर, पवन, बल, लोक, महावीर, तेज, प्रताप, प्रभु, सीता, असुर, रघुपति मम, तुम्हरो, अस, सहित, जहां, जुग, पर, जगत, न, सुख, पीरा, लावे, कोई, पावे सिद्धि, सदा, हरि, हृदय (यानि कुल तीस शब्दों का) 2-2 बार प्रयोग हुआ है, और शेष 272 शब्द केवल एक ही बार सम्पूर्ण श्रीहनुमान चालीसा पाठ में प्रयोग में आते हैं।

- गोपाल कुमावत, Squaroid Construction, जयपुर

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के तत्वावधान में 30 जुलाई 2023 को HCG हॉस्पिटल, शिप्रा पथ मानसरोवर, जयपुर में एक कैंसर अवेयरनेस प्रोग्राम रखा गया। डॉक्टर निखिल मेहता द्वारा

कैंसर से बचाव के संबंध में उपयोगी व्याख्यान दिया गया और कुमावत समाज की महिलाओं के लिए एचसीजी अस्पताल की तरफ से नि:शुल्क मैमोग्राफी एवं pap smear जांच की गयी तथा पुरुषों के लिए prostate से संबंधित PSA test नि:शुल्क किया गया। इस उपयोगी जानकारी से कुमावत समाजजन लाभान्वित हुए तथा नियमित रूप से चिकित्सा सम्बन्धी एवेयरनेस प्रोग्राम एवं जांच की आवश्यकता बताई गई।

तद् विस्मरणे परमव्याकुलतेति

नारद भक्ति सूत्र 19 में उल्लेख आया है कि शरणागत भक्त को भजन करना नहीं पड़ता। उसके द्वारा स्वत: स्वभाविक भजन होता है। भगवान् का नाम उसे स्वाभाविक ही बड़ा मीठा, प्यारा लगता है। अगर कोई पूछे कि तुम श्वास क्यों लेते हों? यह हवा को भीतर-बाहर करने का धन्धा शुरू कर रखा है? तो यही कहेंगे कि भाई। यह धन्धा नहीं है, इसके बिना हम जी नहीं सकते। ऐसे ही शरणागत भक्त भजन के बिना रह ही नहीं सकता जिसको सब कुछ अर्पण कर दिया, उसके विस्मरण में परम व्याकुलता, महान् छटपटाहट होने लगती है। ऐसे भक्त से अगर कोई कहे कि आधेक्षण के लिये भगवान को भूल जाने से त्रिलोकी का राज्य मिलेगा, तो वह इसे भी ठुकरा देगा। श्रीमद्भागवत में कहा है—

त्रिभुवनविभवहेतवेऽत्यकुण्ठ स्मृतिरजितात्मसुरादिभिर्विमृगयात्।
न चलति भगवत्पदारविन्दाल्लवनिमिषार्धमपि य: स वैष्णवाग्रय:।।
(11/2/53)

अर्थात 'तीनों लोकों के समस्त ऐश्वर्य के लिये भी उन देवदुर्लभ भगवच्चरण कमलों, का जो आधे निमेष के लिये भी त्याग नहीं कर सकते, वे ही श्रेष्ठ भगवद भक्त हैं। पुन: भगवान् कहते हैं कि 'स्वयं को मेरे अर्पित करने वाला भक्त मुझे छोड़कर ब्रह्मा का पद, इन्द्र का पद, सम्पूर्ण पृथ्वी का राज्य, पाताल आदि लोकों का राज्य, योग की समस्त सिद्धियाँ और मोक्ष भी नहीं चाहता।'

न पारमेष्ठ्यं न महेन्द्रधिष्ण्यं न सार्वभौमं न रसाधिपत्यम्।
न योगसिद्धी पुनर्भवं वा मय्यर्पितामेच्छति मद् विनान्यत्।।
(श्रीमद्भागवत 11/14/14)

श्री रामचरितमानस के अयोध्या काण्ड में श्री भरत जी ने इसी बात का वरदान माँगा है—

अरथ न धरम न काम रूचि गति न चहउँ निरबान।
जनम जनम रति राम पद यह वरदानु न आन।।
(रा.च.मा. 2/204)

'मुझे न अर्थ की रुचि है, न धर्म की, न काम की और न मोक्ष ही मैं चाहता हूँ। जन्म-जन्म में मेरा श्रीराम जी के चरणों में प्रेम हो, बस यही वरदान माँगता हूँ, दूसरा कुछ नहीं।'

-प्रो. बालकृष्ण कुमावत,
आजाद नगर, उज्जैन (म.प्र.)

श्री सोमनाथ (गुजरात) यात्रा वृतांत

3 अगस्त, 2023 को गुजरात की 10 दिवसीय धार्मिक यात्रा प्रारम्भ हुई। पहले दिन यात्रियों ने माउन्ट आबू में ब्रह्मकुमारी केन्द्र, सोमनाथ महादेव मंदिर, अचलगढ़ महादेव, गुरु शिखर देलवाड़ा जैन मंदिर व नक्की झील के आकर्षक वातावरण का आनन्द लिया। जहां से आगे अम्बाजी (गुजरात), चोटीला चामुण्डा माता के दर्शन किये व लोक कल्याण की कामना की। अगले दिन जूनागढ़ में गायत्री शक्तिपीठ, गोपालधाम, स्वामी नारायण मंदिर, शक्करगढ़ चिड़ियाघर, दामोदर कुण्ड व गिरनार पर्व के दर्शन किये। फिर सोमनाथ में स्वामीनारायण गुरुकुल में विश्राम कर श्री सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के दर्शन किये। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में श्री सोमनाथ प्रथम ज्योतिर्लिंग है। समुद्र के किनारे बने विशाल मंदिर में शिव लवक्षण स्वरूप में विराजमान हैं, साथ में समुद्र दर्शन का आनन्द लिया।

आगे रास्ते में हरसिद्धि माता के दर्शन करते हुए द्वारिका पहुंचकर द्वारिकाधीश मंदिर में श्री कृष्ण भगवान के दर्शनों का आनन्द लिया। मंदिर के पास ही सुदामा सेतु तथा गोमती नदी है। अगले दिन रुकमणी मंदिर देखते हुए समुद्र की यात्रा कर भेंट द्वारिका में द्वारिकाधीश के दर्शन किये, अन्य मंदिरों को देखते हुए गोपी तालाब में स्पर्श स्नान किया। यहां से थोड़ी दूर दारुका वन में स्थित श्री नागेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन का लाभ लिया। इस मंदिर के गुम्बद लाल रंग में रंगे हुए हैं। मंदिर के पास ही शिव का ध्यानस्थ विशाल प्रतिमा है।

यहां से वापसी की यात्रा में गांधीनगर (अहमदाबाद) में अक्षरधाम मंदिर में शाम को दर्शन करके अद्भुत वाटर शो देखा। वाटर शो में कठोपनिषद में वर्णित नचिकेता-यमराज का संवाद को पानी के फव्वारे, अग्नि, पृथ्वी, वायु, आकाश व प्रकाश के माध्यम से बहुत सुन्दर रूप में प्रस्तुत किया गया। उदयपुर पहुंचकर, जगदीश मंदिर, फतेहसागर झील, वेक्स म्यूजियम, सहेलियों की बाड़ी व सुखाड़िया सर्किल देखा। यहां से रवाना होकर पहाड़ियों के बीच में स्थित मेवाड़ राजाओं का प्राचीन निजी मंदिर 'श्री एकलिंग जी' देखकर हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप संग्रहालय देखा। फिर नाथद्वारा में श्रीनाथ के दर्शन करने के बाद **विश्वास स्वरूपम** शिव की विशाल प्रतिमा (369 फीट) का अवलोकन किया। अगले दिन मडफिया में **श्री सांवलिया सेठ** के दरबार में उपस्थित हुए। यहां से पुष्कर पहुंचकर अगले दिन पवित्र पुष्कर सरोवर में स्नान किया। फिर रास्ते में सुरसुरा तेजाजी के दर्शन करते हुए घर लौट आये।

यात्रा के आयोजक सर्वश्री बाबूलाल बेताड़िया (कुमावत) कैलाश कुमाव व सीताराम थे। यात्रा में अधिकांश यात्री कुमावत समाज के थे। यह 10 दिवसीय यात्रा बहुत ही सुखद रही, इसमें दर्शन के साथ जीवन के नये अनुभव भी मिले।

-लक्ष्मीनारायण सिरसवा (पचार वाले) मो.9829791846

सेवा भावी बच्चे

जिन बच्चों में प्रारंभ से ही सेवा भावना के विकास की ओर ध्यान दिया जाता है, वे आगे चलकर अपनी सेवा भावना और सत्कार्यों द्वारा समाज में प्रतिष्ठा और लोगों का स्नेह अर्जित करते हैं। सेवा एक ऐसी वृत्ति है, जिसकी आवश्यकता हर किसी को जी वन में कभी न कभी पड़ती रहती है। बिना किसी का सहयोग प्राप्त किए जीवन में एक भी कदम आगे नहीं बढ़ाया जा सकता, पर उस सहयोग का कुछ न कुछ प्रतिदान अवश्य चुका दिया जाता है। सेवा एक ऐसा सहयोग है, जिसके लिए न तो प्रतिदान की आवश्यकता पड़ती है और न उसमें सेवा से कृतज्ञता व्यक्त करने, ऋणी मानने अथवा उसका कोई मूल्य चुकाने की आशा की जा सकती है।

किसी वृद्ध व्यक्ति को सड़क पार करवा देना, अपरिचित और अनजान आदमी को उसके गंतव्य स्थान पर पहुँचा देना, गिरे हुओं को उठाना और चोट खाए को सहलाना, ये ऐसे छोटे-छोटे काम हैं, जिनके लिए किन्हीं साधनों की आवश्यकता नहीं पड़ती। उच्च स्तर पर व्यापक रूप से सेवा कार्य अपना कर हजारों लोग महानता के शिखर पर पहुँचे हैं। इस प्रकार महानता के शिखर पर पहुँचने वाले व्यक्तियों में ऐसे महा मानवों की संख्या बहुत बड़ी है, जिनके पास साधन या सुविधा नाम की कोई वस्तु नहीं थी, ये शिक्षित और संपन्न परिवार के भी नहीं थे, फिर भी उन्होंने सेवा, और केवल सेवा द्वारा लोगों के हृदय में अपना स्थान बनाया। महान बनने का लक्ष्य न भी रखा जाए तो भी सेवा का अपना महत्त्व है और वह सामान्य जीवन में आश्चर्यजनक परिणाम प्रस्तुत करती है तथा सहयोगी परिस्थितियाँ उत्पन्न करती है।

तन, मन और वाणी द्वारा हर किसी को सेवा के लिए प्रस्तुत रहना अपने आप में एक इतना बड़ा सा धन है कि उसके होते हुए अन्य किसी दूसरे साधन की आवश्यकता नहीं रहती। साथ ही अन्य दूसरे साधन सेवा के अनुगामी बन जाते हैं। सेवा का महत्त्व समझ लेने के बाद यह जान लेना आवश्यक है कि सेवा का स्वरूप है क्या? सामान्यत: सेवा के दो स्वरूप हैं- एक तो यह कि अपनी सुख सुविधा और आराम के लिए बच्चों से सेवा ली जाए। जैसे, लेटकर थकान दूर करने या नींद लेने के लिए हाथ-पैर दबाना, शरीर की मालिश करवाना, घरेलू कामों में बच्चों की मदद लेना। बच्चों से इस तरह की सेवा लेने का अधिकार माता-पिता को है, पर अभिभावकों को उनकी सेवा अधिकार समझकर नहीं लेनी चाहिए, वरन इस उद्देश्य से उनको सेवा के लिए प्रेरित करना चाहिए कि उनमें परोपकार की भावना जाग्रत हो सके। इसका प्रारंभ घर की व्यवस्था ठीक करते समय उनसे छोटी-मोटी चीजें उठवाने, भाई-बहनों को पढ़ना-लिखना सिखाने, उन्हें स्कूल ले जाने के लिए सहयोग देने जैसे कामों से कराया जा सकता है। इस तरह के प्रारंभ से बच्चों में सेवा की भावना का विकास तो होता ही है, उनका प्रशिक्षण भी हो जाता है। दूसरे प्रकार की सेवा में विपत्ति के समय सहायता करने, किसी काम में सहयोग देने और दु:ख बँटाने के रूप में की गई सेवा आती है। असामान्य दु:खद घटनाओं में दौड़ पड़ने, ब्याह- शादी जैसे उत्सवों में हाथ बँटाने, रोगादि कष्ट के समय औषध उपचार का ध्यान रखने और कष्टप्रद प्रसंगों के आने पर शांति रखने तथा धीरज बँधाने के लिए किए गए प्रयास भी सेवा की श्रेणी में आ जाते हैं। स्वत: इस तरह का आचरण कर और यथा संभव बच्चों को अपने साथ रखकर उन्हें सहयोग, सहानुभूति का क्रियात्मक प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

इस प्रकार के प्रशिक्षण और अभ्यास कराने में बच्चों को उस तरह की प्रेरणा भी देनी चाहिए, जिससे वे परोपकार और सेवा का महत्त्व समझ सकें। इस तरह का सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण कथा-कहानियाँ सुना कर, महापुरुषों के जीवन की घटनाएँ सुनाकर भी दिया जा सकता है। खोजने पर ऐसी सैंकड़ों कहानियाँ और संस्मरण मिल सकते हैं, जिनके द्वारा बच्चों को सेवा, परोपकार की प्रेरणाएँ दी जा सकती हों। ऐसी पत्र-पत्रिकाएँ लाकर भी पढ़ाई जा सकती हैं, जो बच्चों के लिए निकलती हैं और उनसे उनका पर्याप्त शिक्षण होता है। यों तो बच्चों को स्कूल में अध्यापकों तथा पाठ्य पुस्तकों द्वारा सेवा, परोपकार की शिक्षा दी जाती है, पर उस शिक्षा का यथार्थ लाभ इसलिए नहीं मिल पाता कि वे नितांत औपचारिक और रस्मी उपदेश भर होते हैं। उनके साथ हार्दिकता का पुट न होने के कारण वे बच्चों को ठीक ढंग से प्रभावित नहीं कर पातीं। बच्चों को चरित्रवान और परोपकारी बनाने के लिए अभिभावकों को अपना दायित्व अनुभव करना चाहिए; क्योंकि भावनात्मक रूप से वे ही बच्चों के अधिक निकट होते हैं। बच्चों में हर तरह के संस्कार होते हैं। सामाजिक प्राणी होने के नाते उनमें सेवा और सहयोग के संस्कार भी सहज ही होते हैं, किंतु उन्हें जाग्रत करने के लिए अभीष्ट प्रयास नहीं होते, इसलिए वे दबे ही पड़े रहते हैं। अभिभावक यदि चाहें तो बच्चों में सेवा भावना का अच्छी तरह विकास कर सकते हैं, इसलिए कि माता-पिता की बातों को बच्चा प्रामाणिक समझता है और उनका विश्वास करता है। बच्चा यह सोचता और मानता है कि हमारे माता-पिता जो कुछ कर रहे हैं, उसमें हमारा हित ही निहित है। यहाँ माता-पिता को चाहिए कि वे अपने बच्चों में निस्स्वार्थ भावना का विकास ही करें।

कई अभिभावक बच्चों को प्रलोभन देकर उनसे अपना काम करवाने की नीति अपनाते हैं। जैसे, वे कहते हैं-'तुम एक घंटे तक मेरे पैर दबाओ, मैं तुम्हें पैसे दूंगा।' या 'मेरा अमुक काम कर दो, तो तुम्हें वह चीज लाकर दूंगा।' इस प्रकार प्रलोभन देकर काम कराने से बच्चों में स्वार्थ की भावना बढ़ती है और वे आगे चलकर किसी संकटग्रस्त की सहायता करते समय पहले अपना फायदा सोचते हैं; यद्यपि अभिभावकों में इस तरह की भावना नहीं होती कि वे बच्चों को स्वार्थी बनाएँ। इस तरह का प्रस्ताव करते समय वे यही सोचते हैं कि हम बच्चों के प्रति अपना स्नेह व्यक्त कर रहे हैं, पर उनकी प्रतिक्रिया होती उलटी है और वे हर जगह, हर व्यक्ति से अपनी सेवा का मूल्य प्राप्त करने की अपेक्षा रखने लगते हैं। अत: बच्चों को इस प्रकार के प्रलोभन से हमें बचना चाहिए।

मेघना कुमावत,
उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा सिविल लाइन मंडल, जयपुर

पति, पत्नी और 'वो' बना मोबाइल, आधुनिक तकनीक कर रही सात वचनों को कमजोर

मोबाइल के बढ़ते चलन ने वाकई दुनिया मुट्ठी में कर लेने का हौसला हर किसी के हाथ में थमा दिया है। एक क्लिक पर अपनों से फौरन जुड़ सकते हैं और दुनिया के कोने-कोने की जानकारी हासिल कर सकते हैं। मगर टेक्नोलॉजी का गलत और अति इस्तेमाल मुश्किलें भी पैदा करता है। कई लोग मोबाइल को इतनी ज्यादा अहमियत देने लगते हैं कि वो अपनो और अपने रिश्तों को प्रभावित करने लगता है। क्योंकि मोबाइल, सोशल मीडिया जैसी लत बुरी तरह अपने चंगुल में कर लेती है। मोबाइल जीवन में मीठे जहर का काम करता है।

मोबाइल फोन ने काफी हद तक रोजमर्रा के कामों को आसान कर दिया है लेकिन अब ये पति पत्नी के बीच 'सौतन' का भी काम कर रहा है। मोबाइल फोन की वजह से कई शादीशुदा लोगों के रिश्तों में खटास आ गई है। इंटरनेट के युग में मोबाइल को हाथ में लेकर दुनिया को मुट्ठी में करने की ख्वाहिश रखने वाले के परिवार बिखरने लगे हैं। सैकड़ों घरों में रोजाना मोबाइल विवाद की वजह बन रहा है। आलम यह है कि आधुनिक दौर में मोबाइल पति-पत्नी के बीच 'वो' की भूमिका में आ गया है। इसके कारण कई घर टूटने की दहलीज तक आ पहुंचे हैं। मनोवैज्ञानिकों के पास हर रोज शहर भर से दर्जनों ऐसे मामले पहुंच रहे हैं। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि अति, किसी भी चीज की बुरी होती है। मोबाइल लोगों को मनोविकार की ओर ढकेल रहा है।

जब एक लड़का-लड़की शादी के बंधन में बंधते हैं, तो सिर्फ वो ही नहीं बल्कि उनके घर वाले भी काफी खुश होते हैं। हर कोई दोनों की आने वाली जिंदगी का अच्छे से बीतने की कामना करता है और अपना ढेर सारा आशीर्वाद और प्यार देते हैं। शादी के बाद लगभग सब कुछ बदल जाता है, क्योंकि जहां पहले लोग अपनी मर्जी से सब कुछ कर पाते थे, तो वहीं अब उस चीज को करने के लिए उन्हें अपने पार्टनर की हामी चाहिए होती है। वहीं, इस रिश्ते में जितना प्यार होता है, उतने ही छोटे-मोटे झगड़े भी होते रहते हैं। कभी ऐसे घरेलू झगड़ों का कारण पति, पत्नी और 'वो' होता था, अब मोबाइल बन रहा। सात फेरों के सात वचन निभाना मुश्किल हो रहा। रिश्तों में दरार पड़ रही है तो कहीं टूटते भी जा रहे हैं।

मोबाइल और अविश्वास के कारण पवित्र दांपत्य जीवन का नेटवर्क टूट रहा है। यानि पति-पत्नी का अनमोल रिश्ता मामूली बातों पर उलझकर बिखर रहा है। तलाक के लिए पति-पत्नी फैमिली कोर्ट पहुंच रहे हैं। शादी के सात फेरे सात साल भी निभाने को तैयार नहीं। रिश्ता तोड़ने के लिए कोर्ट के सामने जो तर्क रखा जाता है अधिकांश उसमें मामूली। जिनका हल वे अपने परिवार और घर में बैठकर निकाल सकते हैं। यह सिर्फ पढ़े लिखे और शहरी आबादी में ही नहीं, बल्कि गांवों में भी हो रहा है।

दंपतियों में एक दूसरे के प्रति मोबाइल फोन के कारण विश्वास से ज्यादा अविश्वास पैदा हो रहा है। सबसे ज्यादा नौकरी पेशा वाले दंपतियों में यह शिकायत है। अगर पत्नी नौकरी में है तो पति को अविश्वास है। अगर पति नौकरी में है तो पत्नी को उस पर शंका। मामूली शंका में पहले मोबाइल फोन चेक किया जाता है। जिस पर विवाद होता है और बाद में यह विवाद बड़ा रूप लेकर कोर्ट पहुंच जाता है।

पति-पत्नी का रिश्ता एक कोमल डोर की तरह होता है जो भरोसे और साथ पर टीका होता है। पति-पत्नी का रिश्ता अनमोल होता है इसे तोड़ने के बजाय, इसे संजोना चाहिए। दंपति को चाहिए कि एक दूसरे पर भरोसा करें। शंका और मतलब निकालने के बजाय, एक-दूसरे पर अटूट भरोसा कर साथ निभाना चाहिए। मामूली बातों को इग्नोर करना चाहिए। अगर थोड़ी परेशानी है तो परिवार में मिल बैठकर हल निकालना चाहिए। भावनात्मक रूप से जुड़ाव रखें, बदलते वक्त के साथ जरूरी है कि परिवार के साथ ज्यादा से ज्यादा वक्त बिताएं। तेजी से बढ़ते अकेलेपन को अपनेपन से दूर करें। यदि इसके बाद भी लत में कमी न दिखाई दे तो चिकित्सकों की सलाह लें। इसके अलावा रिश्तों को बचाने के लिए उनमें खुलापन, विश्वास, आपसी तालमेल और जीवनसाथी को समझने की कोशिश भी करें।

सोते समय फोन को खुद से दूर रखें। जरूरत के समय ही मोबाइल का इस्तेमाल करें। इंटरनेट की आदत छोडे, खाली समय में परिवार के साथ बैठे, सदस्यों से बात करें। सुबह उठते ही फोन लेकर न बैठें। किताबों से ज्ञान अर्जित करने की कोशिश करें। दोस्तों से सोशल मीडिया पर नहीं, मुलाकात करके हंसी-ठिठोली करें।

- जयसिंह गुडीवाल
सह सम्पादक कुमावत इंडिया पत्रिका

देश का अग्रणी समाज बनने का स्वप्न!!

कुमावत विज़न:2030

सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं। बल्कि सपने वो है, जो हमें सोने नहीं देते।

आज भारत बदल रहा है। विकास का रथ अपनी गति पकड़ चुका है। डिजिटल इंडिया हो या स्वच्छ भारत, अंतरिक्ष की ऊंचाई हो या खेल का मैदान सभी जगह भारत अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रहा है, प्रगति का शंखनाद हो चुका है। **यही समय है जब हमें भी अपने कुमावत समाज को उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाना है।** कुमावत महापंचायत में हमने जिस एकता का प्रदर्शन किया था उसी भावना से एकजुट होकर हमें अपने समाज को भारत के अग्रणी समाज बनाने का स्वप्न देखना है।

किसी भी समाज के विकास का सपना उसके प्रत्येक सदस्य का होना चाहिए। सपने तब वास्तविकता बन सकते हैं, जब हमारे पास ऐसी परिकल्पना हो जो परिश्रम करने की इच्छा, उत्कृष्टता की चाह और समाज के योग्य सदस्य बनने की हमारी जिम्मेदारी से प्रभावित हो।

'आपके सपनों पर कोई तब तक यकीन नहीं करेगा
जब तक आप खुद पर यकीन नहीं करेंगे'

समाज की प्रगति, हम सब की प्रगति है। हमें अपने समाज को सुदृढ़ और मजबूत बनाना होगा। एक नयी सोच और नए विचारों वाला समाज जो देश के विकास में कन्धे से कन्धा मिलाकर चल सके। **पिछड़ेपन का टैग उतार हमें अपने अंदर आत्मविश्वास और नयी ऊर्जा का संचार करना होगा।**

सामाजिक संरचना में कुमावत समाज का बहुत योगदान रहा है, ये हम सभी जानते हैं। अब हमें अपने समाज में एक नई चेतना जाग्रत कर उसे नई ऊंचाईयों तक ले जाने का सपना देखना है। भारत के भू.पू. राष्ट्रपति ए. पी. जे अब्दुल कलाम ने कहा था कि सपने खुली आँखों से देखने चाहिए और उन्हें पूरा करने के लिए पूर्ण समर्पण, लगन और विश्वास से परिश्रम करना चाहिए। तो **क्यों न हम भी एक मजबूत, आत्मविश्वास से लबरेज़ देश में अग्रणी समाज का स्वपन देखें।** सामाजिक इन्जीनियरिंग को ध्यान में रखते हुए अपने इस विकासशील समाज को विकसित व समृद्ध समाज बनाने के लिए हमें कुछ बातों पर अमल करना होगा। इस दिशा में सबसे पहला चरण है, **शिक्षा।**

शिक्षा किसी भी समाज के नीव का वह पत्थर होती है जिस पर उस समाज की सुन्दर इमारत खड़ी की जा सकती है। हमें गर्व है कि आज हमारे समाज के होनहार विद्यार्थी अनेक क्षेत्रों में अपनी सफ़लता का डंका बजा रहे हैं। लेकिन ये प्रतिशत काफी कम है। आज भी शहर हो या गांव उच्च शिक्षा प्राप्त युवाओं का प्रतिशत ज्यादा नहीं हैं। हम इस दिशा में निम्नलिखित प्रयास कर सकते हैं:—

- सुनिश्चित करें कि समाज का कोई भी बालक या बालिका शिक्षा से वंचित नहीं रहे। विशेषकर ग्रामीण व निर्धन परिवार के विद्यार्थी आर्थिक या पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण पढ़ाई को बीच में ही नहीं छोड़ दें, इसका ध्यान रखा जाये तथा मिलकर उनकी मदद की जाए।
- स्त्री जब शिक्षित होती है तो वह अकेली शिक्षित नहीं होती है, उसके साथ एक पूरा परिवार शिक्षित होता है। अत: समाज की सभी बालिकाओं की पढ़ाई की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।
- धनाभाव के कारण कोई प्रतिभाशाली विद्यार्थी उच्च शिक्षा से वंचित ना रह जाये इसके लिए ट्रस्ट की स्थापना की जाए और हमारे समाज के प्रतिष्ठित व समर्थ सदस्यों द्वारा उनकी आर्थिक मदद की जाये। कुछ ट्रस्ट अभी इस क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं जो प्रशंसनीय है।
- हम हस्तकला में प्रवीण हैं। इस क्षेत्र में जो भी प्रोफेशनल कोर्स व नवीन तकनीक हैं उनको बढ़ावा दिया जाए ताकि हम अपनी परम्परागत कला को नई ऊंचाईयों तक ले जा सकें।
- शिक्षा के मन्दिरों की स्थापना की जाए । जहाँ कुमावत समाज के होनहार परंतु निर्धन बालक-बालिकाओं को मुफ़्त शिक्षा दी जाए। रिटायर्ड शिक्षक-शिक्षिकाओं की सेवा द्वारा विद्यालयी शिक्षा के स्तर को बढ़ाने का प्रयास भी किया जा सकता है।
- प्रौढ़ शिक्षा एक ऐसा आयाम है जिसे हम आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन गांवों में अभी भी हमारे समाज का एक तबका ऐसा है जो निरक्षर हैं। उनकी शिक्षा की व्यवस्था का भी प्रयास किया जाना चाहिए।
- AIEEE, NEET, UPSC, RPSC आदि प्रतियोगी परीक्षाओं में कुमावत समाज के विद्यार्थी अधिकाधिक स्थान प्राप्त कर सकें, इसके लिए गांवों के विद्यार्थियों के लिए फ्री हास्टल सुविधा व कम फीस में अच्छी कोचिंग की व्यवस्था भी की जा सकती है।

'सुपर 30' इसका उदाहरण है कि कम साधनों के होते हुए भी होनहार विद्यार्थी उच्च शिक्षण संस्थानों में अपना स्थान बना लेते हैं। हमारे समाज के प्रतिष्ठित डॉक्टर, इंजीनियर, सरकारी सेवारत कॉलेज व्याख्याता, शिक्षक आदि भी यदि भावी पीढ़ी को मार्गदर्शन दे तो **'सुपर कुमावत 30'** बनते समय नहीं लगेगा।

शिक्षा तो सिर्फ एक पहलू है बाकी पहलुओं पर चर्चा फिर कभी।

कुमावत विजन:2030 के इस सपने को साकार करने का स्वप्न हम सब को मिलकर साकार करना होगा ।

जैसे सपना एक चकमक पत्थर है
संघर्ष की तीली से रगड़ खा
भीतर की आग को विकीर्णित करता
फैला देता समस्त दिशाओं में
एक अद्भुत और सर्वथा अछूता प्रकाश लोक।।

– **डॉ प्रिया मारवाल,** एसिस्टेंट प्रोफेसर

वर्तमान परिदृश्य में 'राखी'

यूं तो राखी एक धागा है, भाई-बहन के स्नेह का वादा है। अपनों की सुरक्षा का इरादा है, समय के बहाव में यही जरूरत ज्यादा है। प्रत्येक त्योहार अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है। मानव के जीवन में हर त्यौहार अपनी अलग कहानी रखता है, मनाने के अलग कारण और तरीके भी रखता है किन्तु सभी त्यौहारों के मनाने के पीछे एक कॉमन कारण है **अपनों का मेल-मिलाप**।

त्यौहार के सेलिब्रेशन के साथ हमारे रिश्तों में मिठास धुलती है और मजबूती आती है। मानव जीवन में अनेक उतार-चढ़ाव आते हैं किन्तु त्यौहार के नाम से जीवन में रोमांच व उत्साह भर जाता है तथा अवसाद कहीं दूर चला जाता है। नये-नये व्यंजनों की बाढ़ सी आ जाती है और नई-नई पोशाकों का सिलसिला चल पड़ता है। ज्यादातर त्यौहार पति-पत्नी साथ मनाते हैं या पत्नियां अपने जीवनसाथी के साथ या उसके लिए मनाती है जैसे-करवा चौथ, गणगौर आदि। किन्तु रक्षा बंधन एक ऐसा अनूठा, इकलौता त्यौहार है जो भाई-बहिन के पवित्र रिश्ते को एक रेशम की डोर से मजबूत बंधन में बांधता है जो हर वर्ष श्रावण मास की पूर्णिमा को आता है। इस दिन बहन राखी अपने भाई को राखी बांधकर उसकी लम्बी उम्र की कामना करती है और रोली तिलक लगाकर मीठा मुंह करवाती है। वहीं भाई बदले में सुरक्षा के वादे के साथ बहन को उपहार भेंट करता है। इसके बाद बहनें कहानी सुनती हैं व व्रत खोलती हैं।

जयपुर में इस त्यौहार का विशेष महत्व है, बहनें अपने भाई के घर जाकर मिठाई आदि वस्तुएं भाई को उपहार स्वरूप देती हैं और राखी बाँधती है। यहाँ इस चलन के पीछे बड़ा कारण है अपने मायके में सबसे मेलजोल हो जाता है।

रक्षा बंधन के पीछे की कहानी में बताया जाता है कि द्रौपदी ने भगवान कृष्ण के हाथ पर चोट लगने पर अपनी साड़ी का एक हिस्सा फाड़कर उनके हाथों में बांध दिया था जिसके बाद श्री कृष्ण ने द्रोपदी को उसकी रक्षा वचन दिया था। ऐसे में जब भरी सभा में द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था तो पुकारने पर कृष्ण ने आकर अपना वचन पूरा किया था।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इस त्यौहार की महत्ता अधिक बढ़ जाती है, हम आए दिन टीवी या अखबार में लड़कियों के प्रति बढ़ते अपराध के ग्राफ को देखते हैं तो हर भाई को यह वादा अपने आप से करना चाहिए की इस रक्षा सूत्र की मान व मर्यादा का वह पालन करे और हर उस बहन की अस्मिता की रक्षा करेगा जिसे उसने वचन दिया है। यह अत्यधिक आवश्यक है कि भाई-बहन के प्रेम व अटूट विश्वास की प्रतीक रखे समाज में लड़कियों की सुरक्षा को लेकर गहन चिंतन मनन करे और उन्हें विश्वास दिलाए अपनी सुरक्षा का।

पर्यावरण प्रेमी भी आजकल पेड़ों की सुरक्षा व वृद्धि के लिए उन पर राखी बांधने लगे है। ताकि उन्हें कटने से रोका जा सके और भावनात्मक सुरक्षा व संरक्षण मिल सके।

कुल मिलाकर रक्षा बंधन धर्म से जुड़ा त्यौहार है लेकिन इतिहास की कई अमिट घटनाएं भी इसे महत्वपूर्ण बनाती हैं- चित्तौड़ की रानी कर्णावती ने मुगल सम्राट हुमायूँ को राखी भिजवाई थी तथा गुजरात सुलतान से चित्तौड़ की रक्षा करने में मदद मांगी थी।

कुछ भी हो आजकल सोशल मीडिया के चलते और व्यापारीकरण के कारण इसमें भी नये-नये उत्पाद व महंगे दिये गये तो इस त्यौहार का महत्व ही नहीं रह जाएगा लेकिन बदलते वैश्विक परिदृश्य में भी हमें इसके रक्षा कवच के महत्व को कम करके नहीं आंकना चाहिए। यह त्यौहार आज भी एक रेशम के धागे की और भाई-बहन के अमूल्य प्यार की कहानी कहता हुआ अपने अमिट बंधन में बांधने को तैयार रहता है। राखी के त्यौहार की आप सभी को लख-लख बधाइयाँ। - **भारती तोंदवाल**

जादूगर आंचल जेल में !

चौंकिए मत, भारत द्वारा राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित, लिम्का बुक एवं द बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर, उदयपुर निवासी अंतर्राष्ट्रीय जादूगर आंचल ने 7 जून को जोधपुर की केंद्रीय कारागृह में एक शानदार शो देकर डेढ़ घंटे तक करीब 1500 बंदियों का भरपूर मनोरंजन किया। उल्लेखनीय है कि पिछले 25 सालों में भारत के 17 राज्यों एवं दुनिया के अन्य 7 देशों में करीब 13500 से ज्यादा शो कर चुकी आंचल अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाते हुए भारत की कई जेलों में नि:शुल्क शो देकर

बंदियों का स्वस्थ मनोरंजन कर चुकी है। शो के बाद जादूगर आंचल ने सभी बंदियों से यह वादा लिया कि सजा समाप्ति के बाद एक अच्छे व जिम्मेदार नागरिक बनकर भारत की प्रगति में अपना हाथ बटाएंगे। जेल प्रशासन ने इस कार्यक्रम की भरपूर प्रशंसा की एवं जेल अधीक्षक श्रीमान राजपाल जी ने बताया कि जोधपुर केंद्रीय कारागृह में पहली बार इतना रोमांचक एवं मनोरंजक कार्यक्रम हुआ है। कार्यक्रम के अंत में जेल अधीक्षक जी ने पूरी टीम का स्वागत करते हुए आंचल के इस प्रकल्प को बहुत सराहा।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

11 जुलाई श्रीमती तीजा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री केदारमल बबेरीवाल, सांगानेर, जयपुर
11 जुलाई श्री देवीलाल गेदर निवासी बावड़ी रोड्ड मदनगंज-किशनगढ़, अजमेर
13 जुलाई श्री रवि कुमार पुत्र श्री सुन्दर लाल दम्बीवाल, हनुमानगर, जयपुर
14 जुलाई श्री बिरधी चन्द जायलवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
14 जुलाई श्री गुलाब चन्द वर्मा (बासनीवाल) शास्त्री नगर, जयपुर
14 जुलाई घासीराम धुंधारिया, अर्जुन नगर, दुर्गापुरा, जयपुर
15 जुलाई श्री घासीराम करोडीवाल, डीसीएम, जयपुर
15 जुलाई श्रीमती कमला देवी धर्मपत्नी श्री प्रभुनारायण भदानिया, टोंक फाटक, जयपुर
19 जुलाई श्री प्रभुदयाल कैक्ट्या, ग्रीन सिटी, गोविन्दपुरा, जयपुर
19 जुलाई श्री दीपक (दीपू) पुत्र श्री लाल चन्द तांगडा, कंवरनगर, जयपुर
20 जुलाई श्रीमती लक्ष्मा देवी धर्मपत्नी श्री बाछूराम जालवाल, सिरसी रोड, जयपुर
21 जुलाई श्री नेमीचन्द माचीवाल (मेड़ता वाले), झूंपा की ढाणी, रूपनगढ़, अजमेर
22 जुलाई श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी श्री कालूराम धमुनिया पूरण विहार, बैनाड़ जयपुर
24 जुलाई श्रीमती भगवती देवी नगरीया, पितरड़ी, उदयपुर
25 जुलाई श्री पूरणमल मनेठिया, रामनगर-बी, झोटवाड़ा, जयपुर
26 जुलाई श्री रामपाल मारवाल, कीर्ति नगर, जयपुर
29 जुलाई श्री सुशील कुमावत (खोरानिया), सीकर रोड, जयपुर
29 जुलाई श्री धन्नालाल जी काम्या सिंगलवाली ढाणी, चौमूं
29 जुलाई श्री सुशील कुमावत सुपुत्र स्व. श्री भौंरीलाल खोरानिया, सीकर, जयपुर
6 अगस्त श्री रामस्वरूप जी खोवाल, लालकोठी योजना, जयपुर
6 अगस्त श्रीमती आनन्दी देवी पत्नी सुखराज जी देवतवाल, सांगानेर,ज यपुर
7 अगस्त श्री शंकरलाल पुत्र श्री हनुमान सहाय जलिन्द्रा दांता, ओसिया
8 अगस्त श्री घीसालाल जी जलान्दरा कालाडेरा, जयपुर
12 अगस्त श्रीमती तारा वोरा पत्नी श्री विरेन्द्र सिंह मारवाल, जयपुर
12 अगस्त श्री नारायण लाल सुखड़िया, उदयपुर
16 अगस्त श्री राजेंद्र प्रसाद कुमावत पुत्र स्व. श्री रामेश्वर प्रसाद, जयपुर
16 अगस्त कै. कालिदास मुरलीधर परदेशी, कुमावत नगर, पंचवटी, नाशिक
16 अगस्त श्री शंकर लाल जी (हिम्मत राम गोठवाल), देवाली, उदयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
मोनू	10th	Private job	7.9.92	5'5''	मामोडिया	खाटूवाल	घोड़ेला	मारोठिया	9950933610	जयपुर
निखिल	B.Com.	Make up Artist	19.9.96	5'6''	घोड़ेला	सिरस्वा	राजोरिया	अनावड़िया	9636373630	जयपुर
रवि	B.Com., ITI	Private job	10.2.93	5'8''	आसीवाल	तुनवाल	सोकिल	मारवाल	9256959351	जयपुर
हिमांशु	MCA.	Software developer	13.11.95	5'5''	गैदर	बालोदिया	राणोलिया	कारगवाल	9414654054	जयपुर
चेतन	M.Com.	Pvt.Bank	25.3.93	5'5''	बालोदिया	जलान्दरा	राजोरिया	आसीवाल	-	जयपुर
सुनील	B.Com.	Software Designing	12.8.44	5'9''	घोड़ेला	बबेरीवाल	होदकास्या	कुदाल	8209380407	जयपुर
यशवन्त	B.Tech. (CS)	Software developer	6.4.99	5'6''	दम्बीवाल	केलगुरिया	बसवाल	कुदाल	9413040229	सांगानेर
राहुल	B. Tech. (Civil)	Civil engi, pvt.	18.7.96	5'9''	आसीवाल	तुनवाल	सोकिल	मारवाल	9256959351	जयपुर
पवन	B.Sc., ITI, MBA	Pvt. Job	3.6.94	5'7''	कुण्डलवाल	नीमीवाल	सोकिल	सिरस्वा	9462597382	जयपुर
नवनीत	M.com.	Pvt. Job	23.11.96	5'4''	बालोदिया	गुडीवाल	माचीवाल	तून्दवाल	9413331074	जयपुर
कुलदीप	B.Sc. (Nursing)	Senior markting officer	1.8.92	5'8''	नीमीवाल	नराणिया	पीपलोदा	मारोठिया	9460755083	नागौर
गौरव	B.Com.	Pvt. Sector	4.3.2000	-	घोड़ेला	सिरस्वा	राजोरिया	अनावड़िया	9636373630	जयपुर
निहाल	M.Com. (EAFM)	Pvt. Ltd.	1.3.97	5'4''	रेवारिया	कारगवाल	खोरानिया	देवतवाल	8707337299	जयपुर
जितेन्द्र	BA. ITI. DTP	Graphic Deginer	15.6.95	5'9''	जलिन्द्रा	साल्डिवाल	कारगवाल	मामोडिया	9414043651	जयपुर
ओमशरण	DCE, BCA	Software Designer	9.5.94	5'5''	खण्डारिया	बिर्थल्या	मारवाल	जालवाल	9413205874	जयपुर
सचिन	M.Com.	Medical shop self	10.10.97	-	धुंधारिया	लोठया	बहोड़िया	माचीवाल	9636335060	जयपुर
चिराग	BA.D. Pharma	Medical Store	23.5.98	5'9''	दम्बीवाल	केलगुरिया	अनावड़िया	मारवाल	9351275230	ब्यावर
रोहित	B.Tech.	Software developent	22.4.93	6'0''	मारवाल	जालवाल	सिरस्वा	खाटूवाल	8559855129	मांच्यावाला
प्रवीण	B.Tech.	Engineer Noida	25.7.97	5'5''	सारड़ीवाल	कारगवाल	सिहोटा	देवतवाल	9468661588	फुलेरा
आयुष	B.Tech.	-	24.6.95	5'7''	दौराया	कुण्डलवाल	कुलचारिणया	मारोठिया	9521479709	-

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
गरिमा	P.G.Phd.	Pvt. School Teacher	22.8.96	5'3''	खोवाल	खरोलिया	भोड़ीवाल	राणोलिया	9413380816	स.माधोपुर
मनीषा(मांगलिक)	M.Com(ABST)	Auditor	14.7.94	5'3''	बबेरवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	8824390772	जयपुर
रिद्धिका	M.Com.	Assistant LIC	23.11.95	5'0''	घोड़ेला	कैक्टिया	बाबवला	कुसुम्बीवाल	9829675865	जयपुर
शिखा	MA Stenography	-	25.6.97	-	धुंधारिया	भोरोदिया	मामोड़िया	खटवाल	9414075337	देहली
शारदा	MA, GNM	Govt. Hospital	1992	-	कुण्डलवाल	दम्बीवाल	होदकास्या	अरबुन्डी	9001956606	जयपुर
इशिका	MSc. Biotiech	Pvt. Ser.	29.9.97	5'4''	आसीवाल	सिरोहिया	सिंघाटिया	जलान्दरा	9829734375	जयपुर
प्रिया	B.Tech (CSE)	Infosys Ltd.	1.1.94	5'5''	भोड़या	तूंदवाल	किरोड़ीवाल	उदयवाल	8290656331	जयपुर
लक्षता	B.Tech.Civil	AEN in WRD	13.9.95	5'6''	खाटूवाल	घोड़ेला	भोरोदिया	कैक्ट्या	9468587369	जयपुर
सरिता	M.Sc. (Chemistry)	-	13.2.2000	5'1''	होदकास्या	कुदाल	किरोड़ीवाल	मारवाल	8769725781	जयपुर
तोषीका	DMLT	Lab Tech (Govt.)	3.9.2000	5'7''	तूनवाल	पारमवाल	मारवाल	लोदवाल	9413545464	झुंझुनूं
अंजना	M.A.,B.Ed.	Painting Business	23.6.92	5'3''	मालिया	घोड़ेला	माचीवाल	भोड़ीवाल	7728846810	किशनगढ़
प्रिया	B.Sc.(Nursing)	Narsing off. AIIMS	22.12.95	-	दौराया	सिरोडिया	खूवाल	तूंदवाल	9950603773	चाकसू
आयुषी	M.Com. (ABST)	Deutsche Bank	1.7.96	5'3''	खाटूवाल	तूंदवाल	भौरोदिया	शारडीवाल	9509119760	जयपुर
भारती(मांगलिक)	B.Sc.	-	19.4.98	5'7''	धुंधारिया	रेणीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	9667186739	-
शेफाली	MBA	Metlife jaipur	23.10.95	5'4''	घोड़ेला	कुण्डलवाल	मारवाल	दम्बीवाल	9414383444	पाली
जयश्री	M.A. (RSCIT)	-	1.12.94	5'3''	मारवाल	होदकास्या	खण्डारिया	बघानिया	8107577106	जयपुर
नन्दनी	M.A.	-	14.6.2000	5'8''	किरोड़ीवाल	जेठीवाल	देवतवाल	काम्या	9414314380	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

सम्मानित समाजबन्धुओं को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई

कांस्टेबल बनवारीलाल सम्मानित

15 अगस्त 2023 को स्वाधीनता दिवस समारोह में कांस्टेबल बनवारीलाल पुत्र श्री प्रहलाद कुमावत पुलिस थाना शाहपुरा जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट शाहपुरा द्वारा कानून व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया है।

हैड कांस्टेबल उगाराम कुमावत सम्मानित

जैसलमेर में पुलिस उप अधीक्षक के रीडर के पद पर पदस्थापित श्री उगाराम कुमावत को गृह मंत्रालय की ओर से 15 अगस्त को उत्कृष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया गया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के ट्रस्टी श्री चेतन बालोदिया के जन्मदिन 15 अगस्त 2023 को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई दी गई तथा उनके दीर्घजीवन एवं अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की गई।

पी.डी. कुमावत उपखण्ड स्तर पर सम्मानित

उपखण्ड अधिकारी कुचामनसिटी द्वारा श्री पी.डी. कुमावत वरिष्ठ भण्डार प्रबन्धक को उपखण्ड स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह 2023 पर उनकी उत्कृष्ट विभागीय सेवाओं को प्रशंसनीय एवं सराहनीय मानकर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

Premiere Institute of Hotel Management

Puri, Odisha.

Affiliated To Utkal University of Culture.

Admission Open...

- Bachelor in Hotel Management (60 seat) & Master in Hotel Management (15 seat)
- Course Fees 41500/-..per year
- Hostel Fees- 4500/- per month
- Contact - 8763483627
  (Special Offer for SC & ST students...)

For Girls course fee is **15000/-** per year

विज्ञापन

PG Diploma in Hotel Management

1yr Diploma in Hotel Management

All course fees... 41500/- per year

(OR 21000/- per semester)

Web site- www.pihmt.com

कुमावत समाज भवन, मालवीयनगर, जयपुर में स्वतंत्रता दिवस 2023 को मुख्य अतिथि श्री गोविंद सिंह खोवाल मालवीयनगर वालों ने झण्डारोहण किया। इस अवसर पर उन्होने समाज भवन में दो टन का AC लगाने की घोषणा की।

दीप मोहन वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा संचालित बालगृह शिवदासपुरा में 15 अगस्त को मुस्ताकखाँ पूर्व प्रधान पंचायत समिति चाकसू द्वारा झण्डारोहण किया गया। इस अवसर पर बालगृह के 25 बालक तथा बेसहारा, गरीब, जरूरतमंद बालक व बालिकाओं को स्टेशनरी व मिठाई वितरीत की गई।

श्री कुमावत क्षत्रिय समाज भवन, मालवीय नगर, जयपुर में भवन निर्माण व विकास हेतु श्री राम प्रकाश मारवाल पुत्र स्वर्गीय श्री नाथूलाल टींकीवाले (सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका) तथा (मंत्री, कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर) ने 51 हजार रुपए सहयोग राशि दी।

श्रद्धापूर्ण पुण्यतिथि

स्व. 24.08.2016 — सप्तम पुण्यतिथि — 24 अगस्त, 2023 — स्व. श्री कायमलाल आसीवाल

स्व. 03.04.2003 — 20वीं पुण्यतिथि — 03 अप्रैल, 2023 — स्व. श्रीमती भंवरी देवी

हम सब परिवारजन सजल नयनों से सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

आपके स्मरण में

श्रद्धावन्त :

पी.एल. वर्मा – किरण, ओ.पी. वर्मा – मीना,
आर.पी. वर्मा – संतोष (पुत्र–पुत्रवधु)
रामेश्वरी देवी – स्व. श्री पूरण चन्द मारोठिया (पुत्री–दामाद)
रवि–रेखा, राजीव–प्रीति, नितिन–कोमल,
नवीन–वेदांशी, अंकित–प्रीति (पौत्र–पौत्र वधु)
अक्षय खोवाल–भारती, शशी मोरवाल–आरती,
अश्वनी खोवाल–नितिका (पौत्री–पौत्रीदामाद)
चि. पौत्री, पड़पौत्र एवं पड़पौत्री व समस्त आसीवाल परिवार

म.नं. 4, 7 गांधीनगर ओझाजी का बाग व 92
एस.बी. विहार रामनगर स्टेशन सोड़ाला, जयपुर
मो. 9660047342, 9314909115

आभार

आदरणीय स्नेहीजन,

हमारे पूजनीय **श्री चंद्रप्रकाश वर्मा (C. P. Verma- MNIT)** का स्वर्गवास 6 जुलाई 2023 को हो जाने पर आप द्वारा संबल प्रदान करने वाले शब्दों के लिए हम परिवारजनों की ओर से आपका शुक्रिया। आपके स्नेह और सांत्वना के शब्दों ने हम परिवारजनों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान किया है। आपके ख्यालों, सहानुभूति, प्रार्थनाओं, दया और प्रेम के लिए हम दिल की गहराईयों से आप का धन्यवाद करते हैं।

हमारे दिवंगत पूजनीय **श्री चंद्रप्रकाश वर्मा** जहाँ कहीं भी होंगे, खुश होंगे, खासकर इस बात के लिए कि उनके परिवारजनों को विचारशील, प्यार करने वाले और देखभाल करने वालों द्वारा दिलासा दिया।

हमारे दिवंगत पूजनीय को खोने के सदमे ने हमें फिर से जीने की उम्मीद न होने की उम्मीद के साथ छोड़ दिया, लेकिन आपके प्यार ने दिखाया कि हमारे पास अच्छे और बुरे समय में हमारा साथ देने के लिए आप जैसे स्नेहीजन, परिवारजन एवं दोस्त हैं। हम परिवारजन हर चीज के लिए पूरी तरह से आप सभी के हृदय से आभारी हैं।

अगर अब हमारे दिल में कोई सुकून है, तो यह हमारे दुःख भरे पलों के दौरान प्यार और आशा के आपके व्यक्तिगत उपस्थिति की वजह से है।

हम परिवारजनों का हृदय अनंत काल तक इतना नायाब प्यार देने के लिए आपका सदैव आभारी रहेगा।

आभारी

मोहनलाल, हरिशचन्द्र, कृष्णकुमार, गिरधारीलाल एवं संतोष (भ्राता), सावित्री एवं कंचन (बहिन), मिथलेश- प्रिया, योगेश- प्रतिभा (पुत्र- पुत्रवधू), चित्रा- राजकिशोर जी (पुत्री-दामाद), आदित्य, कार्तिका मेध्या (पौत्र, पौत्री), मुकुन्दा (दोहिती) एवं समस्त खडगटा- कुमावत परिवार मोती डूंगरी। **ससुराल पक्ष : राजीव कुमावत घोडेला झुंझुनु वाले।**

25, जय जवान कॉलोनी-III, जयपुर, मो. 9829266078, 8905327271

विज्ञापन

रक्षाबंधन एवं जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई

देश की स्थापत्य धरोहरों के निर्माण में सदियों से विशिष्ट योगदान देने के फलस्वरूप कुमावत समाज के लिए

स्थापत्य कला बोर्ड

का गठन करने पर

श्री अशोक गहलोत, माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान

का हार्दिक आभार।

इस अभूतपूर्व सफलता के लिए अपना
विशेष योगदान देने के लिए

श्री मुकेश वर्मा (कुमावत)

को बहुत-बहुत धन्यवाद
तथा
उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना।

मुकेश वर्मा (कुमावत)
(झोटवाड़ा विधान सभा क्षेत्र)
सचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

शुभेच्छु
'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार

Squaroid Constructions

A comlete unique construction Activity
Since 40 years
By Late Shri Suwa Lal Marothiya
(Thekedar Ji) Phulera Wale

Gopal Kumawat
9829158241
Sitaram Kumawat
9928314836

Ar. Satyam Kumawat
7737220731

Office :
51-A, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Res.:
44-B, Shiv Colony Ist, New Sanganer Road, Sodala, Jaipur-302019
Email : gopalsquaroid@gmail.com | gopal.kumawat011968@gmail.com

हार्दिक बधाई

हमारी प्यारी बिटिया रानी **श्रीमती फणीन्द्र कुमावत (मेघा)** धर्मपत्नी श्री तरुण कुमार की महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त कार्यालय, गृह मंत्रालय, भारत सरकार में **कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी (ग्रुप-बी)** के पद पर नियुक्ति होने पर अभिनन्दन, बहुत-बहुत बधाई तथा हार्दिक शुभकामना के साथ उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

दादी-दादाजी	:	स्व. श्रीमती परवेश-कृष्ण गोपाल गैदर (के.जी. रेडियोज)
दादी-दादाजी (श्वसुर)	:	श्रीमती शांति-श्री रामकरण लाल मारवाल (भूतपूर्व पार्षद, नदबई)
माता-पिता	:	श्रीमती संतोष-राजसिंह (मुख्य कार्यालय अधीक्षक, रेलवे)
सास-ससुर	:	श्रीमती संतोष-श्री मनोज मारवाल (व्यवसायी)
चाची-चाचाजी	:	श्रीमती दीपाली-श्री हेमेन्द्र सिंह (मुख्य कार्यालय अधीक्षक, रेलवे)
जेठानी-जेठजी	:	श्रीमती वर्षा-श्री अनुपम
बुआ-फूफाजी	:	श्रीमती उषा-श्री सतीश एवं श्रीमती शालिनी-श्री नेमीचंद
नानी-नानाजी	:	स्व. श्रीमती शांति देवी-स्व. श्री रमेश चंद वर्मा (मोहब्या), (से.नि.मु.का. अधी., सा.नि.वि.)
मामी-मामाजी	:	स्व. श्री विनायक वर्मा-श्रीमती सुनीता देवी (ऑपरेशन एग्जीक्यूटिव, स्टैण्डर्ड चार्टर्ड बैंक) एवं श्रीमती चंचल-श्री विजय कुमार कुमावत (रीजनल हैड, स्टार हाउसिंग फाइनेंस)
बहिन-भाई	:	कु. रूपल कुमावत, उत्कर्ष, हर्षवर्धन सिंह एवं हार्दिक

राजसिंह कुमावत, 254/2, गंगासागर-ए कॉलोनी, करणी पैलेस रोड, वैशाली नगर (पश्चिम), पाँच्यावाला, जयपुर-302034, मो. : 9983320926

वैवाहिक

हिमांशु कुमावत

जन्म दिनांक	:	21.09.1990
ऊँचाई	:	5'5''
शैक्षणिक योग्यता	:	बी.ए.
कार्य	:	राजेश मोटर्स प्राईवेट लिमिडेट में एसेसरीज इन्चार्ज
पिता	:	अमर सिंह कुमावत
माँ	:	मीरा देवी
बहन	:	प्रियंका-दिनेश जी मारवाल नीकिता-जीवन जी तोंदवाल ऋतु-पंकज जी मारवाल
बड़े भ्राता	:	जितेन्द्र कुमावत मो. 8559876161
गौत्र	:	स्वयं : सिरोहिया माँ : खोराणिया दादी : होदकास्या नानी : घोड़ेला

बाल निवास के पीछे, कल्याण जी का रास्ता, जयपुर
मो.: 8619905811, वाट्सएप 9460146106

वैवाहिक

Abhishek Singh Kumawat

Date of Birth	:	18 July 1997
Height	:	6'
Education	:	BCA (Poornima"University Gold Medalist), MCA (I1IM)
Occupation	:	Software Developer (Appcino Technologies Pvt. Ltd.) 2 years
Salary	:	11 LPA.
FAMILY DETAILS		
Grand Father	:	Mr. Lal Chand Kumawat (PWD retired - "Govt. Job)
Grand Mother	:	Ratan Devi
Father	:	Mr. Shailendra Singh Kumawat
Occupation	:	Colour gem Stones
Mother	:	Mrs. Shukla Kumawat (House wife)
Elder Sister	:	Apurva Singh Kumawat (Married) (Fashion Designer) Married to Aakash"Kumawat (Advocate)
Rishi Gotra	:	Self : Bhadaniaya Mother : Rajoriya Dadi: Sardiwal Nani : Hirapuriya

D-121, Siwar Area, Bapu Nagar, Jaipur
Contact : 9784086370, 9314531828

दक्ष

एवं

वैदही

को जन्म दिवस की

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

जन्म दिवस 7 अगस्त, 2023

जन्म दिवस 20 अगस्त, 2023

नानी-नाना	:	श्रीमती मालती देवी-सूरज मल अनावड़िया
माता-पिता	:	श्रीमती जयन्ती -श्री गोरधन बड़ीवाल
बहन	:	आयशा
मामी-मामा	:	श्रीमती अनुकृति-विकास अनावड़िया, जियान्शी एवं वैदई (बहन)

दादी-दादा	:	श्रीमती मालती -सूरजमल अनावड़िया
माता-पिता	:	श्रीमती अनुकृति-विकास अनावड़िया
बूआ-फूफाजी	:	श्रीमती जयन्ती -गोरधन बड़ीवाल-
नानी-नाना	:	श्रीमती अलका-अनील जी मारवाल
बहन-भाई	:	जियान्शी, दक्ष, आयशा
मामा	:	अविरल

सूरजमल अनावड़िया-श्रीमती मालती

श्रीमती अनुकृति-विकास अनावड़िया

श्रीमती जयन्ती -श्री गोरधन बड़ीवाल

जियान्शी

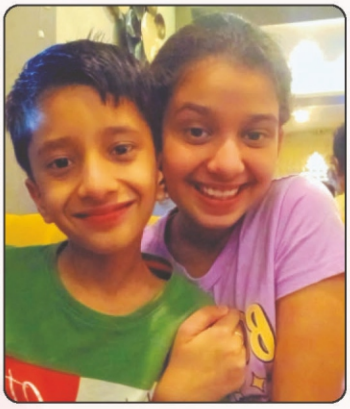

दक्ष-आयशा

श्रीमती अलका-अनील जी मारवाल

अवरिल
(Ph.d. Cambridge University, UK)

सूरज मल अनावड़िया, लालकोठी, जयपुर, मो. 9314644517

श्री दादू दयाल महाराज, श्री हनुमानजी महाराज, श्री जगदीश महाराज एवं दादा-दादी की असीम कृपा से

स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल
दादाजी

स्व. श्रीमती लादी देवी
दादीजी

गर्वित कुमावत

का चयन टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी में 4 वर्षीय बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी डिग्री के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (NIT), जालन्धर में चयन होने पर

हार्दिक बधाई ।

विशेष प्रयास :
डॉ. देवांशी-इंजी. पवन जी सीकर

शुभेच्छु

माता-पिता	:	श्रीमती शारदा-रूप सिंह कारगवाल
चाची-चाचा	:	श्रीमती उर्मिला-उमेश चन्द कारगवाल
बुआ-फूफाजी	:	श्रीमती विमला-श्री विजय मण्डावरा, श्रीमती उमा-श्री सुशील आसीवाल
बहन-जीजाजी	:	डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन
बहन	:	हर्षिता, मिष्ठी एवं समस्त कारगवाल परिवार

रूपन आर्ट्स, जयपुर, दिल्ली, नेपाल

ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015
फोन : 0141-6761032, मो. : 9314502407, 9314502964

Jaipur Honda

SALES & SERVICE

Malviya Nagar	Kanota
0141-2751880, 9057090909	9353267500

Mukesh Verma
(Kumawat)

B.L. Verma
(Kumawat)

Prince Kumawat

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018